● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 199, पृष्ठ : 08, सीधी, शनिवार, 31 अगस्त 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

सुक्खू सरकार ने की अधिकांश दफ्तरों को शिफ्ट करने की घोषणा 5

सूर्यकुमार यादव के टी20 वर्ल्ड कप कैच पर फिर छिड़ा विवाद 6

मध्यप्रदेश उत्सव से म.प्र. को जानने समझने का मिलेगा अवसर : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री की अनूठी पहल - दिल्ली में पहली बार हुआ मध्यप्रदेश उत्सव का आयोजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, जनजातीय विरासत, पर्यटन, कला, रहन-सहन एवं विविध व्यंजन इत्यादि की दृष्टि से समृद्ध राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के दिल (मध्यप्रदेश) की समृद्ध, सांस्कृतिक धरोहरों से दिल्ली एवं अन्य प्रदेश के लोगों को परिचित कराने के लिये देश की राजधानी में 4 दिवसीय मध्यप्रदेश उत्सव का अनूठा आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में मध्यप्रदेश उत्सव का रंगारंग शुभारंभ कर यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर दिल्ली में पहली बार वृहद स्तर पर मध्यप्रदेश उत्सव का आयोजन

किया गया है, जो 30 अगस्त से 2 सितंबर, 2024 तक चलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश उत्सव के आयोजन से दिल्लीवासियों एवं अन्य राज्यों से आये पर्यटकों को देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश की समृद्धशाली विविधताओं से परिपूर्ण संस्कृति सहित अन्य पहलुओं को जानने का मौका मिलेगा। आगंतुक न सिर्फ प्रदेश की समृद्ध विरासत को जानेंगे, समझेंगे बल्कि विविधताओं से भरे मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों में बनाये जाने वाले विशिष्ट व्यंजनों सहित सुपर फूड में श्रीअन्न से निर्मित व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पुरातत्व विभाग द्वारा बेहतरीन कार्य किया गया है। विभाग प्राचीन जर्जर मंदिरों और देवस्थानों को पुनर्स्थापित करने का चुनौतीपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक कर रहा है। उन्होंने संचालनालय पुरातत्व अभिलेखाकर एवं संग्रहालय द्वारा आयोजित 'मध्यप्रदेश की विरासत' प्रदर्शनी की सराहना की। मध्यप्रदेश उत्सव में लगाई गई प्रदर्शनी में एक ओर गोंड कलाकारों की चित्रकला को सम्मान और दूसरी ओर लगभग 10 हजार वर्ष पुराने भीमबैठका के शैलचित्रों से सबको अवगत कराने का अभिनव प्रयास किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी के सेल्फी पाइंट में सेल्फी ली। उन्होंने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए विजिटर बुक में लिखा कि मध्यप्रदेश-उत्सव का आयोजन बहुत बेहतर तरीके से सुयोग्य भाव से प्रदर्शित किया गया है, बधाई। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग और अधिकारी व दर्शक भी उपस्थित थे।

शिवाजी प्रतिमा गिरने पर मोदी बोले-मैं माफी मांगता हूं

इससे पहले शिंदे-फडणवीस और अजित पवार भी माफी मांग चुके

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। पालघर के सिडको ग्राउंड में 76 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने सिंधुदुर्ग में 26 अगस्त को शिवाजी की प्रतिमा गिरने के मामले पर माफी मांगी।

मोदी ने कहा- छत्रपति शिवाजी महाराज मेरे और मेरे दोस्तों के लिए सिर्फ एक नाम नहीं हैं। हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक महाराजा नहीं हैं। हमारे लिए वे पूजनीय हैं। आज मैं छत्रपति शिवाजी महाराज के सामने नतमस्तक हूं और उनसे क्षमा मांगता हूं।

प्रधानमंत्री से पहले महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और

अजित पवार भी माफी मांग चुके हैं। पीएम के कार्यक्रम से पहले मुंबई में मूर्ति गिरने को लेकर विपक्ष के नेताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को नजरबंद भी किया है।

पालघर में पीएम मोदी ने सिडको ग्राउंड में 76 हजार करोड़ के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इसमें वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट भी शामिल है। मोदी ने उद्घाटन करने के बाद कहा- महाराष्ट्र का विकास मेरी बहुत बड़ी प्राथमिकता है। आज भारत की प्रगति में महाराष्ट्र बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि महाराष्ट्र विरोधी दलों ने आपके विकास पर हमेशा ब्रेक लगाने की कोशिश की। मोदी ने कहा- हमारे देश को वर्षों से दुनिया के साथ व्यापार के लिए एक बड़े और आधुनिक पोर्ट की जरूरत थी, इसके लिए महाराष्ट्र का पालघर ही सबसे उपयुक्त जगह है, लेकिन इस प्रोजेक्ट को 60 वर्षों तक लटका कर रखा गया। इतने जरूरी काम को कुछ लोग शुरू नहीं होने दे रहे थे। मोदी ने पालघर में लगभग 1,560 करोड़ रुपए की लागत से 218 फिशिंग प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी किया। इसका उद्देश्य फिशिंग सेक्टर में इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रोडक्टिविटी को बढ़ावा देना है।

आंध्र प्रदेश में गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में हिडन कैमरा

300 वीडियो-फोटो लीक, आरोपी बीटेक स्टूडेंट ने गर्लफ्रेंड को ब्लैकमेल कर कैमरा लगवाया, गिरफ्तार

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश में कृष्णा जिले के गुडीवाड़ा में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स वॉशरूम में हिडन कैमरा मिलने के बाद हंगामा हो गया। मामला गुडलावलेरु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग का है। घटना की जानकारी मिलते ही स्टूडेंट्स ने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने इस मामले में कॉलेज में बीटेक फाइनल ईयर के स्टूडेंट विजय कुमार को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी का फोन और लैपटॉप भी जब्त किया है। बताया जा रहा है

कि हिडन कैमरे से छात्राओं के वीडियो रिकॉर्ड करके बेचे जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक अब तक लगभग 300 फोटो-वीडियो लीक हो चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गुडलावलेरु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को इस बारे में एक हफ्ते पहले बताया गया था, लेकिन कॉलेज ने इस पर कोई एक्शन नहीं लिया। गुरुवार को छात्राओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन की खबर मीडिया तक न पहुंचे, इसलिए मैनेजमेंट ने कॉलेज के गेट बंद कर दिए थे। हालांकि छात्राओं ने देर रात तक प्रदर्शन जारी रखा तो पुलिस को मामले की जानकारी मिली।

दो नई वंदे भारत एक्सप्रेस पकड़ेंगी रफ्तार, पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दो नई वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात देश को देने वाले हैं। वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखाकर इन ट्रेनों को रवाना करेंगे। चेन्नई एग्मोर-नागरकोइल, मदुरई-बेंगलुरु छावनी के रूट पर यात्री वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर कर सकते हैं। दक्षिणी रेलवे डिविजन में डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन और मदुरै जंक्शन पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पीएम मोदी इन दोनों ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे।

ममता की मोदी को 8 दिन में दूसरी चिट्ठी

कहा- संवेदनशील मुद्दे पर आपने जवाब नहीं दिया, रेप अपराधियों को कड़ी सजा के लिए कानून बने

कोलकाता। कोलकाता रेप-मर्डर केस को लेकर ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी को 8 दिन में दूसरी चिट्ठी लिखी है। इसमें ममता ने कहा- मैंने 22 अगस्त को रेपिस्ट को कड़ी सजा देने के लिए कानून की मांग को लेकर पत्र लिखा था, लेकिन इतने संवेदनशील मुद्दे पर आपकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। हालांकि, भारत सरकार की ओर से एक जवाब जरूर मिला, लेकिन उसमें मुद्दे की गंभीरता पर ध्यान नहीं दिया गया। मैं फिर से अनुरोध करती हूं कि रेप-हत्या जैसे

जघन्य अपराधों पर केंद्र सरकार कड़ा कानून बनाए। इस कानून में तय वक्त में केस खत्म होने का प्रावधान भी होना चाहिए।

दरअसल, ममता ने 22 अगस्त को पीएम को लिखी चिट्ठी में कहा था कि देश में रोज 90 रेप हो रहे हैं। फास्टट्रैक कोर्ट बनाना चाहिए। इसके जवाब में 26 अगस्त को महिला विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने ममता को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि बंगाल में 123 फास्टट्रैक कोर्ट में से ज्यादातर बंद हैं। ममता ने दूसरी चिट्ठी में इसका भी जवाब दिया। महिला विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की चिट्ठी में दावा किया गया था कि राज्य में सिर्फ 11 पीओसीएसओ कोर्ट ही हैं, जो चल रहे हैं, बाकी बंद पड़े हैं। इसके जवाब में ममता ने आज कहा- राज्य में 88 फास्टट्रैक कोर्ट चल रहे हैं।

राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) संस्था होगी पुनर्जीवित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल से सौजन्य भेंट कर उनके मंत्रालय से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भोपाल नगर में राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) सड़कों, पार्कों और भवनों के निर्माण, विकास और रख-रखाव के अलावा नजूल भूमि की सुरक्षा और विकास के कार्य करने वाली संस्था रही है।

अरब सागर में अगस्त में 48 साल बाद तूफान की आशंका

नई दिल्ली। अरब सागर में 48 साल बाद अगस्त में चक्रवाती तूफान की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने शुक्रवार सुबह कहा- गुजरात के करीब यह तूफान 12 घंटे में देखने को मिल सकता है। तूफान का सबसे ज्यादा असर गुजरात के कच्छ में दिखेगा। यहां 65 से 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। तूफान के चलते राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, द्वारका में भी भारी बारिश का अलर्ट है। कच्छ और राजकोट के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। कच्छ में कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया है। कलेक्टर ने कहा है कि जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। गुजरात में एक हफ्ते से जारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बने हुए हैं। यहां 4 दिन में 32 लोगों की जान गई है। मौसम विभाग ने बताया कि सौराष्ट्र और कच्छ के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र (डीप डिप्रेशन) अरब सागर की ओर शिफ्ट होते हुए चक्रवाती तूफान में बदलता दिख रहा है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया था कि यह डीप डिप्रेशन कमजोर हो जाएगा, लेकिन शुक्रवार सुबह तक यह और स्ट्रॉन्ग होकर तूफान में बदलता दिख रहा है।

जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या का केस चलेगा

सिख दंगा मामले में कोर्ट ने आरोप तय किए, 3 लोगों की हत्या का आरोप

नई दिल्ली। 1984 सिख दंगा मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या का केस चलेगा। दिल्ली की कोर्ट ने शुक्रवार (30 अगस्त) को टाइटलर के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में आरोप तय कर दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 13 सितंबर को होगी। टाइटलर को कोर्ट में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है।

सीबीआई ने मामले में टाइटलर के खिलाफ 20 मई 2023 को चार्जशीट दाखिल की थी। एक

गवाह ने आरोप लगाया था कि जगदीश टाइटलर ने 1 नवंबर 1984 को गुरुद्वारा पुल बंगश के सामने एक एंबेसडर कार से बाहर निकले और भीड़ को सिखों की हत्या करने के लिए उकसाया था। सीबीआई ने भी अपने आरोप पत्र में कहा कि टाइटलर ने भीड़ को उकसाया था। इसके बाद गुरुद्वारे में आग लगा दी गई। इस हिंसा में ठाकुर सिंह, बादल सिंह और गुरु चरण सिंह मारे गए थे। सीबीआई ने टाइटलर पर भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (दंगा), 109 (भड़काना) और 302 (हत्या) का आरोप लगाया था। जगदीश टाइटलर 2004 में मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री थे, लेकिन विरोध के चलते उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। उन्हें पिछले साल दिल्ली नगरपालिका चुनाव के लिए समिति में शामिल किया गया था, जिसने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। उन्हें कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल होना था, लेकिन विवाद से बचने के लिए वह यात्रा में शामिल नहीं हुए। सिख दंगा केस में सीबीआई टाइटलर को पहले तीन बार क्लीन चिट दे चुकी थी। पहली क्लीन चिट 2007 में मिली थी। लेकिन अदालत ने इसे सिरे से खारिज कर दोबारा जांच के आदेश दिए। इसके बाद 2013 में सीबीआई ने फिर से सबूतों का अभाव देकर टाइटलर को क्लीन चिट दी थी।

शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने का मामला, कंसल्टेंट गिरफ्तार

कला निदेशालय के डायरेक्टर बोले- 6 फीट की परमिशन थी, नौसेना ने बिना बताए 35 फीट की

मालवण। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के मामले में सिंधुदुर्ग पुलिस ने स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट और ठेकेदार चेतन पाटिल को गिरफ्तार किया है। चेतन को आज सिंधुदुर्ग लाया जाएगा।

चेतन पाटिल को गुरुवार रात कोल्हापुर में उसके रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार किया गया। चेतन ने पहले दावा किया था कि वह प्रोजेक्ट के स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट नहीं थे। इधर, महाराष्ट्र कला निदेशालय के डायरेक्टर राजीव मिश्रा का कहना है कि हमने सिर्फ 6 फीट के लिए परमिशन दी थी। नौसेना ने बिना बताए इसकी ऊंचाई 35 फीट कर दी।

26 अगस्त को छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फीट ऊंची प्रतिमा गिरने के बाद सिंधुदुर्ग पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें ठाणे के मूर्तिकार जयदीप आप्टे का नाम भी शामिल था।

तेलंगाना सीएम की सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बीआरएस नेता के. कविता को जमानत पर दिए बयान के लिए सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। रेवंत ने X पर एक पोस्ट में लिखा कि मेरे बयान को लेकर जो खबरें छापी गई, उनमें कमेंट का गलत अर्थ निकाला गया। रेवंत ने लिखा- 29 अगस्त की कुछ खबरों में मेरे नाम से कमेंट किए गए, जिससे यह माना गया कि मैं माननीय न्यायालय के विवेक पर सवाल उठा रहा हूं। मैं उन खबरों में दिए बयानों के लिए बिना शर्त खेद व्यक्त करता हूं। मैं न्यायपालिका का सम्मान करता था और करता रहूंगा। 29 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में कैश फॉर वोट केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने रेवंत के बयान पर नाराजगी जताई थी।

शरद गुट बोला-एनडीए को अजित की जरूरत नहीं, वे बाहर किए जाएंगे

मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता तानाजी सावंत ने कहा कि उनको नेशनल कांग्रेस पार्टी के नेताओं के पास बैठने पर उल्टी करने का मन होता है। सावंत के इस बयान पर एनसीपी (शरद पवार) ने प्रतिक्रिया दी है।

एनसीपी के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा- सावंत की टिप्पणी से पता चलता है कि महायुति (भाजपा, शिवसेना-शिंदे गुट, एनसीपी) को अब एनसीपी की जरूरत नहीं है। आरएसएस के मुखपत्र ने भाजपा से पूछा था कि उन्होंने अजित पवार के साथ गठबंधन क्यों किया। भाजपा कैडर भी यही सवाल पूछ रहा है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी के लिए एनसीपी को महायुति से बाहर करने का समय आ गया है। अजित पवार के लिए अब जागने और हालात को समझने का समय आ गया है। बीजेपी धीरे-धीरे अजित पवार को महायुति से बाहर निकाल देगी। सब कुछ ठीक नहीं है और दरारें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। एनसीपी (एसपी) के दूसरे प्रवक्ता महेश तपासे ने कहा कि अजित पवार ने अपना आत्म-सम्मान खो दिया है। एनसीपी (अजित) के साथ गठबंधन से शिवसेना (शिंदे) में असंतोष बढ़ रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि अजित दादा जो कभी एनसीपी में अपार सम्मान रखते थे, सत्ता के लिए अपने आत्म-सम्मान से समझौता करेंगे।

तपासे ने कहा कि अजित पवार को सरकार में शामिल किए जाने को लेकर शिंदे सेना के सदस्यों में बढ़ती बेचैनी अब सावंत की टिप्पणियों से स्पष्ट रूप से सामने आ गई है।

यूथ कांग्रेस का भोपाल में प्रदर्शन, पुलिस ने छोड़े आंसू गैस

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस लगातार आंदोलन की राह पर है मध्य प्रदेश के अलग-अलग विभागों में हुए भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस सड़कों पर आंदोलन कर रही है। शुक्रवार को राजधानी भोपाल में प्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा क्या हुआ तेरा वादा अभियान के समापन में मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री आवास के घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोक लिया। जिसमें साढ़े 4 लाख से 5 लाख पोस्टकार्ड लेकर हजारों युवा कांग्रेस और कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास की तरफ आगे बढ़े पुलिस ने रोशनपुरा चौराहा के पास 7 लेयर की बैरिकेडिंग की थी। यूथ कांग्रेस ने जैसे ही पहली लेयर तोड़ी पुलिस ने वाटर कैनन चलाकर

कार्यकर्ताओं को खदेड़ना शुरू कर दिया वहीं पुलिस ने आसूं गैस के गोले भी चलाएं लाठीचार्ज भी किया जिसमें कई कार्यकर्ता को चोट भी आई प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी बेरिकेड पर चढ़ गए पुलिस ने वाटर कैनन चलाया पानी के प्रेशर से पटवारी नीचे गिर गए जिससे उनको चोट भी आई वहीं कांग्रेस नेताओं समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया।

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने कहा, एक करोड़ से ज्यादा युवा नौकरी के लिए भटक रहा है। 20 एग्जाम कंडक्ट किए 30 हजार नौकरी दी, जिसमें आज तक जॉइनिंग नहीं हुई। इस तरह युवाओं को ऑनलाइन सट्टा खेलने के लिए मजबूर किया। सरकार को शर्म आनी चाहिए मध्य प्रदेश की सरकार दिल्ली से चलती है यहां का मुख्यमंत्री शराब का ठेका लेने में व्यस्त है। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा ये सरकार मोहन यादव और बीजेपी की सरकार नहीं ये माफियाओं की सरकार है मोहन सरकार में एक मंत्री ऐसा नहीं, जो बिना दलाली के काम करता हो लगभग 100 दलाल भोपाल-इंदौर में घूम रहे हैं, जो लैंड यूज चेंज करा रहे। सागर में दलित परिवार के 3 लोग मार दिए कटनी में दलित को पीटा आगे जो बीजेपी की नौकरी करेगा उसके खिलाफ कांग्रेस का कार्यकर्ता सड़क से लेकर कोर्ट तक लड़कर केस दर्ज कराएगा , दो दिन पहले मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि भारत में रहना है तो राम कृष्ण कहना होगा। मोहन यादव जी कांग्रेस का युवा साथी आपको चुनौती देता है कि आपको मुख्यमंत्री रहना है तो कर्ज लेना बंद करना होगा।

जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर कि सुरक्षा पर खड़े हो रहे सवाल

कंधे पर हाथ, महिला सफाई कर्मियों के नैन मटके पर खड़े हो रहे सवाल, कई सीसीटीवी कैमरे खराब, अस्पतालों को लेकर एक्शन में सरकार

सिंगरौली। बंगाल की घटना को लेकर मध्य प्रदेश सरकार भी अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक्शन मोड में दिखाई दे रही है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बीते 29 अगस्त को प्रमुख सचिव वीरा राणा ने बीसी के माध्यम से कलेक्टर,पुलिस अधीक्षक और स्वास्थ्य अधिकारी के साथ बैठक ली थी। बैठक में निर्देशित किया गया था कि अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर बनाई जाए। अस्पतालों की सुरक्षा के लिए लगाए गए कई सीसीटीवी कैमरे सिर्फ शोपीस के लिए हैं यह कैमरे काम नहीं करते हैं।

गौरतलब हैं कि आज शुक्रवार की दोपहर तकरीबन 1ः30 पर जब जिला चिकित्सालय शह ट्रामा सेंटर की पड़ताल की गई तो वहां का नजारा कुछ अलग ही था। तीसरी मंजिल पर एक युवक और युवती कंधे पर हाथ रखकर चल रहे थे तो दूसरी ओर महिला सफाई कर्मियों के नैन मटके चल रहे थे। जिस तरह का नजारा देखने को मिला वैसे में यह

सवाल तो कुरेद रहा है कि कहीं ना कहीं जिला चिकित्सालय शह ट्रामा सेंटर की सुरक्षा खतरे में है और जिम्मेदार अधीक्षक नजर अंदाज कर रहे हैं।आलम यह है कि जिला अस्पताल सेट ट्रामा सेंटर में अक्सर छत में युवक युवती आते जाते रहते हैं ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि इलाज तो फर्स्ट और सेकंड फ्लोर में किया जाता है फिर ऐसी क्या जरूरत महसूस होती है कि युवक युवती पहुंच रहे हैं। ऐसे में 24 घंटे संचालित अस्पताल में सुरक्षा का अभाव है। कभी मरीज की मौत होने पर स्वजनों के आक्रोश का कोप भाजन चिकित्सक व कर्मी बनते हैं।

नहीं खुल पाया पुलिस सहायता केंद्र

सुरक्षा को लेकर आउटसोर्सिंग से गार्ड की तैनाती की गई है। लेकिन रोटेशन के हिसाब से ही गार्ड अपनी ड्यूटी निर्वहन करते हैं। यानी एक समय में मात्र चार पांच लोग ही तैनात रहते हैं।लेकिन इतने बड़े जिला अस्पताल शहर ट्रामा सेंटर के सुरक्षा के लिए नकाफी है। जब कभी विधि व्यवस्था बिगड़ने लगती है तो सूचना मिलने पर नगर थाने की पुलिस यहां आती जरूर है लेकिन तब तक देर हो चुकी होती है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा की बार पत्र लिख कर अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस सहायता केंद्र खोलने की मांग भी की गई थी। लेकिन अभी तक जिम्मेदारों ने पुलिस सहायता केंद्र खोलने में रूचि नहीं दिखाई।

कई जगह के सीसीटीवी कैमरे खराब

बताया जा रहा है कि अस्पताल की सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे कई जगह के खराब है वही आपातकालीन वार्ड के प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी कैमरा लगाया ही नहीं गया है। वार्ड के गेट के ऊपर दो सीसीटीवी कैमरे जरूर लगाए गए हैं, लेकिन कई ऐसे स्थान है जहां सीसीटीवी कैमरे की रेंज से बाहर है।जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल में विभिन्न स्थानों पर लगाए गए चार दर्जन सीसीटीवी कैमरों में करीब दर्जनभर खराब हैं या फिर उनका डायरेक्शन बदल दिया गया है। जिससे अस्पताल परिसर के साथ वार्डों में आने-जाने वालों की निगरानी नहीं हो पाती। करीब सप्ताहभर पहले कलेक्टर ने निरीक्षण के बाद सीसीटीवी कंट्रोल रूम बनाकर शिफ्टवार कर्मियों से गतिविधि की निगरानी कराने का निर्देश दिया था, मगर अभी इस पर अमल नहीं हुआ है।

बायो वेस्ट कचरा खा रहे आवारा मवेशी

जिला अस्पताल लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा है। अस्पताल में रोजाना निकलने वाले बायो वेस्ट के निस्तारण के उचित प्रबंध नहीं हैं। अस्पताल परिसर के पीछे इन दिनों बायो वेस्ट खुले में बिखरा हुआ है। पट्टियां, सीरिंज, खाली बोतल, टिश्यू आदि मेडिकल कचरे का ढेर पड़ा है। हैरानी की बात तो यह है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किसी भी स्थिति में बायो मेडिकल वेस्ट को खुले में न फेंकने के सख्त निर्देश दिए गए हैं, निस्तारण के नियम भी तय किए गए हैं। इसके बावजूद अस्पताल में इसका पालन नहीं हो पा रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि अस्पताल परिसर में खुले में बिखरे बायो वेस्ट कचरा आवारा मवेशी खा रहे है। वहीं कचरें के ढेर में मुंह मारते हुए कचरा इधर-उधर फैला देते हैं।

पाइप टूटने से दीवाल में गिर रहा पानी

अस्पताल की दूसरी मंजिल की पाइप टूटने से गंदा पानी दीवाल पर गिर रहा है जिससे पूरी दीवाल में ना सिर्फ काई लग रही है बल्कि दीवाल में सीलन भी आने लगा है। वहीं गंदा पानी ऊपर से बेतरतीब तरीके से गिरकर नीचे फर्श में फ़ैल रहा है साथ में बदबू आने से ग्राउंड फ्लोर के स्टाफ को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बरगवां पुलिस ने 12 घंटे के अंदर चोरी का किया खुलासा, दो आरोपियो को भेजा जेल

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता के कुशल निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं केके पाण्डेयं एसडीओपी मोरवा के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बरगवां उप निरीक्षक रामजी त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस ने चोरी का खुलासा किया है।

बताया जाता है कि बीते 29 अगस्त को फरियादी राधिका प्रसाद शाह पिता विश्वनाथ शाह उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम कोयलखुथ थाना माड़ा जिला सिंगरौली थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि बीते 15-16 अगस्त की रात को अज्ञात चोरो द्वारा कमलेश शाह के मकान मे लगे लोहे की सेटिंग प्लेट कीमती करीबन 2 लाख रूपये का चोरी कर ले गया है। जिसे बीते 16 अगस्त को प्रातः 10 बजे फरियादी जाकर देखा तो सेट्रिंग प्लेट नही थी, अपने प्लेट के संबंध में मकान मालिक एवं आस पास के लोगों से पूछताछ किया। कोई पता नहीं चलने पर थाना बरगवां में धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान हारून खान निवासी भलुगढ़ एवं उसके अन्य साथियों का संदेह पाये जाने पर संदेहियों की तलास कर पूछताछ की गई, पाया गया कि आरोपी हारून खान पिता वैरून खान उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम भलुगढ़, तौसिफ रजा पिता अब्बू तालिब खान उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम समदा थाना बरगवां के बताने पर चोरी का मशरूका बरामद किया गया। आरोपी हारून खान एवं तौसिफ रजा को गिरफ्तार किया गया, तथा उसके तीन अन्य साथी सहरूख खान, विलायत खान, तजबूल खान फरार है। जिनकी पता तलास जारी है। उक्त कार्यवाही मे उप निरी रामजी त्रिपाठी, प्रआर अनूप मिश्रा, प्रआर अरूणेन्द्र पटेल, प्रआर विक्रम सिंह, आर. प्रतीक कुमार की सराहनीय भूमिका रही है।

सीएम हाउस घेराव में युवा कांग्रेस सिंगरौली के सैकड़ो साथी हुए शामिल

सिंगरौली। मध्य प्रदेश भोपाल में भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष निवास बीवी जी और मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह के नेतृत्व में हजारों की तादाद में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता, बेरोजगारी एवं नर्सिंग घोटाले के विरोध मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने जुटे,प्रदर्शन के दौरान उन पर मोहन यादव सरकार की पुलिस वॉटर कैनन का और लाठी डंडे का प्रयोग कर डराने का काम कर रही है,लेकिन युवा विरोधी भाजपा सरकार कान खोलकर सुन ले,युवाओं के हक में हमारी लड़ाई हर हाल में जारी रहेगी। ये लड़ाई धर्म और अधर्म के बीच

है। ये लड़ाई प्रदेश की साझी विरासत को बचाने की लड़ाई है। ये लड़ाई मोहब्बत और नफरत के बीच की है, यूथ कांग्रेस हमेशा युवाओं की ओर प्रदेश की जनता की लड़ाई भोपाल के सड़को पर जारी रहेगा।सिंगरौली जिले से यूथ कांग्रेस के सूर्या द्विवेदी, राजन सिंह चंदेल , यूथ कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता जायसवाल अरुण जायसवाल,अखिलेश पांडे, विजय सिंह बिष्ट, सुनील जायसवाल, अरमान अली,संजय पांडे ,श्रवण दुबे ,उग्रसेन शर्मा ,प्रभांशु दुबे,राहुल गुप्ता ,कुलदीप परिहार ,सतीश शर्मा, संदीप द्विवेदी, प्रज्ञान चतुर्वेदी, सूरज चतुर्वेदी ,अभिषेक शुक्ला ,बृजेंद्र शर्मा,सूरज उपाध्याय ,अतुल पांडे ,पारस प्रजापति ,आशीष साकेत ,रोहित शाह ,पवन जायसवाल ,संजय कुशवाहा ,विद्यांत शर्मा ,राकेश जयसवाल ,डीएम तिवारी ,रोहित द्विवेदी, अहमद राजा खान,योगेश पांडेय अरविंद जयसवाल रणबहादुर सिंह शाहिद सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल हुए।

हिंडालको महान टाउनशिप में धूमधाम से मनाया गया मटकी फोड़ उत्सव

सिंगरौली। हिंडालको महान टाउनशिप में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में मटकी फोड़ उत्सव का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। चार दिनों से चल रहे इस उत्सव में भक्ति और उमंग का माहौल था, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत एक भव्य रिबन काटने की रस्म से हुई, जिसमें जीएमएलपी के प्रतिनिधियों को यह सम्मान दिया गया। इसके बाद इकाई प्रमुख एस. सेन्थिलनाथ, इकाई प्रमुख आदित्या समीर नायक, मानव संसाधन प्रमुख डॉ. विवेकानंद मिश्रा और जीएमएलपी के अन्य प्रतिनिधियों द्वारा पारंपरिक नारियल तोड़ने की रस्म अदा की गई। नारियल तोड़ना बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है, जो इस उत्सव के मुख्य संदेश को दर्शाता है। उत्सव का मुख्य आकर्षण बाल गोपालों द्वारा मटकी फोड़ कार्यक्रम रहा, जिसमें बच्चों ने मानव पिरामिड बनाकर फूलों, चॉकलेट और रंगों से भरी मटकी फोड़ी। इस कार्यक्रम ने मानों कृष्ण के बाल रूप की याद ताजा कर दी, जब उन्होंने माखन चुराने के लिए मटकी फोड़ी थी। मटकी फोड़ के इस पारंपरिक अनुष्ठान को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

महापौर ने ली स्वच्छता कार्यो की समीक्षा बैठक

नलियो की सफाई कराकर किटनाशक दवाओ का कराये छिड़काव

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली की महापौर के द्वारा नगरीय क्षेत्र में किये जा रहे साफ सफाई कार्यो की समीक्षा की गई द्य उन्होने शहरी क्षेत्र की नाले नालियो की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि वर्षा के दौरान जाम पड़ी नालियो की साफ सफाई कराकर उन मे किटनाशक दवाओं का छिड़काव कराये। उन्होने निर्देश दिया कि आने वाले दिनो में त्योहारो आने वाला है। इसके लिए अभी से सभी तैयारिया सुनिश्चित की जाए द्य त्योहारो के दौरान शहर साफ सुथरा दिखना चाहिए। तथा इसकी जानकारी से मुझे अवगत कराया जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि नोडल अधिकारी साफ सफाई व्यवस्था की लगातार निगरानी करते रहे नगर की साफ सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की कोताही बर्दास्त नही की जायेगी। साथ ही निर्देश दिये गये कि परसौना से निगाही रोड के अगल बगल बने डिवाईडरो का रंग रगोन कराये ताकि देखने में सुन्दर लगे। साथ ही निर्देश दिये गये कि सड़क के दोनो ओर खड़ी गाड़ियो को यातायात पुलिस की मदद से चिन्हित कर उन पर चालानी कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करे द्य जिससे गड़ियो की पार्किंग सड़क में न हो तथा आवागमन सुगमता से हो सके। बैठक में उपस्थित एमआईसी मेंबर (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) श्रीमती शिव कुमारी कुशवाह, एमआईसी सदस्यों खुर्शीद आलम, रामगोपाल पाल, पार्षद प्रतिनिधि जीएल साह, निगम उपायुक्त आरपी बेस, सिटेडल प्रोजेक्ट मैनेजर रविंद्र सिंह, आईईसी के सभी जोनल इंचार्ज, केपीएमजी, एमआईएस सदस्य बैठक के दौरान उपस्थित रहे।

मोबाइल चोरी मामले का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार एक फरार, 32 मोबाइल जब्त

मोरवा के मोबाइल दुकान में बीते दिनों हुई चोरी मामले का पुलिस ने किया पर्दाफाश

सिंगरौली। मोरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक मोबाइल दुकान में बीते दिनों हुई चोरी मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने एक नाबालिग सहित चार चोरों को गिरफ्तार किया जबकि एक चोर फरार है। पकड़े गए चोरों में एक बाल अपचारी चोर भी पकड़ाया हैं। चोरों के पास से चोरी के 32 मोबाइल एवं किराना सामान बरामद हुआ है जिसकी कीमत लाख 10 हजार हैं। वहीं चोरी की वारदात को अंजाम देने में शामिल अन्य चोरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता ने प्रेस वार्ता कर मोरवा थाना क्षेत्र में सेंधमारी कर चोरी का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि 26 अगस्त की रात चोर ने एक मोबाइल दुकान में सेंधमारी कर दुकान में रखे विभिन्न कंपनियों का मोबाइल की चोरी कर ली। दुकानदार विकास कुमार गुप्ता के बयान पर मोरवा थाना में केस दर्ज किया गया। घटना में शामिल अपराधी और चोरी किए गए सामानों की बरामदगी के लिए

एएसपी शिव कुमार वर्मा और एसडीपीओ मोरवा केके पाण्डेय के नेतृत्व में थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। एसपी के निगरानी में एक टीम 48 घंटे तक आरोपियों के गांव लामीदह की जंगलों में कैंप की ताकि घटना से जुड़ी आम सूचना से आरोपियों को पकड़ सके। पुलिस ने अलग-अलग जगह पर तलाशी इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर 30 अगस्त को आदर्श गंगा स्कूल के पास कुछ संदिग्ध लोगों की सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी लोकनाथ बसोर, पंकज बसोर, राजू बसोर निवासी लामीदह और राज कुमार बसोर निवासी मेढ़ौली और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया। चोरो की निशानदेही पर मोरवा छठ घाट की पहाड़ी के ऊपर चट्टानों के बीच में छुपा कर रखें 2 लाख कीमत के 32 नग मोबाइल एवं किराना के अन्य सामान जिसकी कीमत तीन लाख दस हजार रुपए बरामद किया गया। हालांकि इसी प्रकरण का एक आरोपी सूरजपुर में भारत बसर पिता पूरन बसोर निवासी लामीदह थाना सरई फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

इनकी रही भूमिका

उप निरीक्षक एपी तिवारी, भिपेंद्र पाठक, एस आई संतोष सिंह, सजीत सिंह, उमेश अग्निहोत्री, प्रधान आरक्षक संजय सिंह, राहुल सिंह, सुबोध सिंह,पतरंग सिंह, अमित द्विवेदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एनटीपीसी सिंगरौली में कमिश्नर, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, ईपीएफओ वाराणसी का हुआ दौरा

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली में बीते 29 अगस्त को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें नीरज श्रीवास्तव, कमिश्नर, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, ईपीएफओ वाराणसी ने प्रमुख रूप से भाग लिया। इस बैठक में एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हायर पेंशन और ईपीएस 95 से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों को साझा किया गया और विभिन्न रिकॉर्ड्स का विस्तृत निरीक्षण भी किया गया।नीरज श्रीवास्तव ने अपनी उपस्थिति से स्पष्ट किया कि ईपीएफओ द्वारा संचालित पेंशन योजनाओं की प्रासंगिकता और लाभ को अधिकतम करने के लिए एनटीपीसी और अन्य संस्थानों के साथ सामंजस्यपूर्ण संवाद और निरीक्षण आवश्यक है। उन्होंने हायर पेंशन योजना के लाभों और ईपीएस 95 की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा की, जो पेंशनभोगियों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। बैठक के अंत में राजीव अकोटकर, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सिंगरौली ने अपने सम्बोधन में नीरज श्रीवास्तव द्वारा इस महत्वपूर्ण विषय पर उनकी अंतर्दृष्टि और मार्गदर्शन की सराहना की और कहा की इस बैठक ने दोनों पक्षों के बीच सहयोग और समझ को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

निगम आयुक्त ने ली संपत्ति कर और राजस्व शाखा की समीक्षा बैठक

सिंगरौली। नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा ने राजस्व और संपत्ति कर शाखा की संयुक्त बैठक ली द्य वर्तमान समीक्षा में पाया गया कि संपत्ति कर की वसूली तुलनात्मक रूप से बहुत कम है । इस संबंध में निगुमायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया की वार्ड वार बड़े बकायदारों की सूचीबद्ध कर मांग पत्र जारी किया जाए। बकायदारों द्वारा मांग पत्र जारी हो जाने के उपरांत संपत्ति कर नहीं जमा करने वाले बड़े बकायदारों के नाम की सूची का प्रकाशन समाचार पत्र एवं सार्वजनिक स्थलों में प्रदर्शित किया जाए द्य इसके उपरांत भी यदि संपत्ति कर जमा नहीं करते

हैं तो ऐसे बकायदारों के नाम सार्वजनिक रूप से उधोषित कराए जाएं और उनके विरुद्ध विधि सम्मत कठोर कार्रवाई की जाए। निगम आयुक्त द्वारा राजस्व अधिकारी को निर्देशित दिया गया कि सभी जोन कार्यालय का भ्रमण कर संपत्ति कर की वसूली में गति लाए द्य जोन कार्यालय सहित मुख्यालय के पृथक-पृथक संपत्ति कर वसूली का लक्ष्य निर्धारित कर पूरा किया जाए । निगम आयुक्त ने ट्रेड लाइसेंस की समीक्षा के उपरांत राजस्व अधिकारी को निर्देशित किया कि नगर निगम सीमा में स्थापित सभी तरह के स्थापित व्यवसाय का सर्वे कर सूचीबद्ध किया जाए एवं जो व्यावसायी बिना ट्रेड लाइसेंस के व्यवसाय कर रहे हैं उनके ट्रेड लाइसेंस जारी किए जाएं एवं राजस्व की वसूली की जाए द्य इसके साथ ही सत-प्रतिशत प्रीमियम एवं मासिक किरायें की वसूली निर्धारित समय में की जाए द्य बैठक के दौरान उपायुक्त आरपी बेस, रेवेन्यू इंस्पैक्टर भूपेंद्र सिंह, रणबहादुर सिंह सहित राजस्व विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

महापौर की अध्यक्षता में मेयर इन काउसिल की बैठक आयोजित

काली मंदिर के सामने अस्थाई 40 दुकानो का निर्माण कर व्यवसाईयों को सिफ्ट करने की सर्वसम्मति से स्वीकृती

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली की महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल की अध्यक्षता एवं मेयर इंन काउसिल के सदस्य खुर्शिद आलम, श्रीमती शशि पुष्पराज सिंह, श्रीमती अंजना शाह, श्रीमती शिवकुमारी बर्मा, श्रीमती अर्चना विश्वकर्मा, श्रीमती श्यामला, श्रीमती रीता देवी प्रजापति, श्रीमती बबली शाह, राम गोपाल पाल , आयुक्त नगर निगम डीके शर्मा के उपस्थिति में मेयर इंन काउसिल की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में सर्व प्रथम चर्चा उपरांत मेयर इंन काउसिल की 1 जुलाई को आयोजित बैठक के कार्यवाही विवरण का सर्व सम्मति से पुष्टि की गई। बैठक में कायाकल्प योजना अंतर्गत निगम क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डो में पीसीसी सड़क निर्माण प्रास्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रस्ताव अनुसार शासन द्वारा स्वीकृत राशि 500.00 लाख के अतिरिक्त शेष राशि रूपयें 5 करोड़ 4 लाख 85 हजार निगम निधि से व्यय करने के संबंध अनुशंसा सहित प्रकरण परिषद की ओर भेजे जाने की स्वीकृती सर्व सम्मति से प्रदान की गई। बैठक में नवजीवन विहार स्थित शिवाजी कम्प्लेक्स की स्थिति अत्यन्त जर्जर है। जर्जर भवन गिराने की स्थिति में

दुकानो और भवनो के व्यवस्थापन के संबंध में मेयर इन काउसिल की बैठक दिनांक 28 नवम्बर 2022 प्रस्ताव क्रमाक 13 अनुसार शिवाजी कम्प्लेक्स नवजीवन विहार के बगल में खाली जमीन पर निर्माण कराये जाने हेतु डीपीआर तैयार कराया गया है। बैठक में उक्त प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा उपरांत निर्णय लिया गया कि प्रकरण अनुसंशा सहित परिषद की बैठक में रखे जाने की स्वीकृती प्रदान की गई। वही म0प्र0 कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा घोषित परिणाम अनुसार चयनित अभ्यार्थियो को नियुक्त किये जाने की स्वीकृती अनुशंसा सहित सर्वसम्मति से प्रदान की गई। बैठक में वार्ड क्रमांक 40 काली मंदिर के सामने पार्किंग स्थल पर स्थाई दुकाने के निर्माण के संबंध में विस्तृत चर्चा कर निर्णय लिया गया कि प्लाजा में व्यवसाय कर रहे व्यवसाईयो को सिफ्ट किये जाने हेतु वार्ड 40 काली मंदिर के सामने पार्किंग स्थल पर अस्थाई 40 दुकानो का निर्माण कराया जाकर व्यवसाईयो को सिफ्ट किये जाने की स्वीकृती सर्वसम्मति से प्रदान की गई। तथा नगर की साफ-सफाई और स्वास्थ्य व्यवस्था को देखते हुए 110 सफाई संरक्षको की स्वीकृती के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई द्य इसके उपरांत यह निर्णय लिया गया कि 1 अगस्त 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक 110 सफाई संरक्षको को मस्टर रोल में रखे जाने की स्वीकृती के नवीनीकरण की स्वीकृति अनुशंसा सहित सर्व सम्मति से प्रदान की गई।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कृषि विज्ञान केंद्र में किया गया पौधरोपण

सीधी। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ अलका सिंह के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.सी. त्रिपाठी महिला एवं बाल विकास विभाग, केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ अलका सिंह, उद्यान वैज्ञानिक डॉ एस.एस. गौतम, कार्यक्रम सहायक श्रीमती अमृता तिवारी, महिला एवं बाल विकास सीधी से परियोजना अधिकारी एवं सुपरवाइजर उपस्थित हुये।

उल्लेखनीय है कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वैश्विक अभियान एक पेड़ माँ के नाम का शुभारंभ किया। वैश्विक अभियान के भाग के रूप में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने जानकारी दी कि सितंबर 2024 तक देश भर में 80 करोड़ पौधे लगाने और मार्च 2025 तक 140 करोड़ पौधे लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 20 जून 2024 को असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य में वृक्षारोपण कार्य शुरू किया जिसमें लोगों ने अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाए।

अभियान के एक भाग के रूप में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय 29 अगस्त 2024 को कृषि मंत्री भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति में एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, मंत्रालय आई.ए.आर.आई. परिसर में लगभग 1 एकड़ भूमि में ''मातृ वन'' स्थापित करेगा। अभियान के तहत कृषि मंत्री और मंत्रालय के अधिकारी/कर्मचारी द्वारा पौधे लगाए जाएंगे। मातृ वन में लगभग 300 पौधे लगाए गए। साथ ही देश भर में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग आई.सी.ए.आर. संस्थानों, एसएयू, सीएयू और के.वी.के.एस. के सभी अधीनस्थ कार्यालयों को अपने-अपने परिसर में पौधे लगाने की व्यवस्था करके कार्यक्रम में भाग लेने के लिए निर्देशित किया गया है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान एक जन आंदोलन है और लोग पेड़ लगाकर अपनी माँ और धरती माँ के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए इसमें भाग ले रहे हैं। पेड़ लगाने से सरकार द्वारा शुरू किए गए मिशन लाइफ जो पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली का एक जन आंदोलन है, के उद्देश्य की पूर्ति भी होती है। कृषि में, पेड़ लगाना टिकाऊ खेती को प्राप्त करने के लक्ष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। पेड़ मिट्टी, पानी की गुणवत्ता में सुधार करके और जैव विविधता को बढ़ाकर कृषि उत्पादकता में सुधार करने में मदद करते हैं। पेड़ किसानों को लकड़ी और गैर-लकड़ी उत्पादों से अतिरिक्त आय का स्रोत भी प्रदान करते हैं। इस अभियान में भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण को रोकने और भूमि को हरा-भरा करने की अपार क्षमता है।

बीएलओ एप पर शतप्रतिशत मतदाता सत्यापन के निर्देश

सीधी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन कार्य आयोग के बीएलओ एप पर प्रदर्शित होम टू होम सर्वे एवं 2025 के पुनरीक्षण हेतु जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक बूथ लेबल अधिकारी को उसके मतदान केन्द्र के समस्त मतदाताओं के विवरणों का 100 प्रतिशत सत्यापन किया जाना है। बूथ लेवल अधिकारी द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी विधानसभा स्तर से ईआरओ-नेट में देखी जा सकती है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रत्येक सोमवार को जिलेवार अद्यतन स्थिति की समीक्षा की जावेगी।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश शाही ने समस्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्देशित किया है कि दिये गये निर्देशों का पालन करते हुए सत्यापन समय-सीमा दिनांक 20.09.2024 तक 100 प्रतिशत पूर्ण करें तथा प्रतिदिन की प्रगति की जानकारी व्हाट्सअप ग्रुप एवं अन्य माध्यमों से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

महाविद्यालयो में सभी संकायों की सीटों की वृद्धि को लेकर छात्रों ने सौंपा ज्ञापन

सीधी। ज्ञात हो कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रवेश प्रक्रिया सीएलसी ऑफ लाइन अन्तिम चरण में है जहां छात्र छात्राओं का प्रवेश पूर्ण नहीं हो पाया है सीधी जिले की अग्रणी महाविद्यालय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस एवं कन्या महाविद्यालय में प्रवेश से वंचित छात्र छात्राओं की कॉलेज में सीट वृद्धि को लेकर आज छात्र नेता शिवम शुक्ला मार्गदर्शन में अभिषेक तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों छात्र छात्राओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में जाकर कलेक्टर सीधी को ज्ञापन सौंपकर सीट वृद्धि की मांग की हैं छात्र नेता शिवम शुक्ला ने बताया कि अभी लगभग हजारों की संख्या में छात्र प्रवेश से वंचित रह गए हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर न होने के कारण प्राइवेट कॉलेज में प्रवेश नहीं ले सकते जिनका शासकीय महाविद्यालय में सीट बढ़ाकर गरीब छात्र छात्राओं का हित हो सकें अन्यथा प्राइवेट कालेजों में छात्र लुट जाते हैं छात्र छात्राओं की मांग हैं कि शासकीय महाविद्यालय में कमसे कम दस प्रतिशत सीट वृद्धि हो जाने से बहुत से छात्र छात्राओं का प्रवेश सम्भव हो सकता है। महाविद्यालय द्वारा प्रवेश प्रक्रिया में यदि सीट बढ़ाकर प्रवेश नहीं दिया जाता है तो हजारों छात्र छात्राओं का भविष्य संकट में पड़ सकता है इसलिए छात्र छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए कॉलेज प्रशासन द्वारा कम से कम दस प्रतिशत सीट वृद्धि कर गरीब छात्र छात्राओं का सहयोग प्रदान करें जिसमें सभी छात्र छात्राओं का हित हो सकें ज्ञापन सौंपने वाले में मुख्य रूप से रमेश साकेत उत्सव जितेंद्र सिंह अमन नामदेव विक्रम साहू उमेश यादव रवि शंकर सिंह सैलू सिंह राम किशोर गुप्ता अखंड बैश रत्नेश त्रिपाठी निराला चौहान प्रदीप शर्मा अजीत कोरी उदय प्रकाश मिश्रा सहित सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे।

पीएम स्वनिधि योजना से वीरेंद्र को मिला संबल

अब व्यवस्थित चल रही कपड़े की दुकान

सीधी। जिले के नगर पालिक परिषद सीधी के निवासी श्री वीरेन्द्र गुप्ता स्वयं की कपड़े की दुकान को पुन: शुरू करना और आगे बढ़ाना चाहते थे। इसके लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने उन्हें सहारा दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में पूरी तरह से हमारा व्यवसाय बंद हो गया था और रखी पूंजी भी घर के खर्चे में खर्च हो गया था जिसके कारण पुन: व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन-रात चिंता बनी रहती थी। ऐसे समय में पीएम स्वनिधि योजना हम जैसे फुटपाथ व्यापारियों के लिए मददगार साबित हुई है। उन्हें पहली बार बगैर ब्याज के योजना के तहत प्रथम चरण में 10 हजार रुपये, द्वितीय चरण में 20 हजार एवं तृतीय चरण में 50 हजार रुपये का ऋण केनरा बैंक सीधी से मिला। जिसके माध्यम से वह कपड़े का व्यवसाय कर रहे हैं।

वीरेन्द्र कहते हैं कि पीएम स्वनिधि योजना में मिले ऋण से उन्हें बहुत मदद मिली है। अब उनकी पकड़े की दुकान अच्छे से चल रही है। दुकान अच्छे से चलने के कारण उन्हें परिवार के जीवन यापन में सहायता मिल रही है। वीरेन्द्र प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में मिली सहायता के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में आजीविका मिशन का अभिनव प्रयास

महिलाएं अब खेती किसानी में नयी तकनीकी का करेंगी प्रयोग

सीधी

म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखण्ड सिहावल के ग्राम खोरवा टोला की लक्ष्मी स्व सहायता समूह की सदस्य मनीषा कुशवाहा नमो दीदी ड्रोन पायलट अपने खेत में ड्रोन के माध्यम से नैनो डीएपी एवं यूरिया का छिड़काव कर आधुनिक तकनीकी के माध्यम से खेती को कैसे लाभ का धंधा बनाया जाता है, का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। ज्ञात हो कि म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से संबंधित जिले की स्व सहायता समूह की महिलाएं कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहराकर आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को नयी इबारत लिख रही है। इसी क्रम में समूह अब कृषि में नवीन तकनीकी को बढ़ावा देने, फसलों की पैदावार बढ़ाने, लागत कम करने में भी भागीदारी निभा रही है। मनीषा कुशवाहा ने नमो दीदी ड्रोन पायलट के रूप में इन्दौर के प्रेस्टीज कॉलेज में प्रथम चरण का प्रशिक्षण शेयरिंग एरोटेक कंपनी के विशेषज्ञों द्वारा प्राप्त किया, द्वितीय प्रशिक्षण भारतीय दलहन अनुसंधान संस्था भोपाल से प्रशिक्षित होने के बाद आज अपने गांव में अपने खेतों में सफलता पूर्वक ड्रोन उड़ा रही हैं।

मनीषा कुशवाहा अपनी सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री जी द्वारा संचालित योजनाओं को तथा जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेन्द्र कुमार सिंह, प्रभारी जिला प्रबंधक-कृषि विजय गोस्वामी एवं विकासखण्ड प्रबंधक अखिलेष त्रिपाठी को देती हैं।

राष्ट्रीय पोषण मिशन 2024 हेतु किया गया उन्मुखीकरण

सीधी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने जानकारी देकर बताया है कि महिला एवं बाल विकास द्वारा पूर्व वर्षो की तरह इस वर्ष भी दिनांक 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक जनआन्दोलन के रूप मे पोषण अभियान प्रत्येक ग्राम में चलाया जावेगा। इस हेतु महिला एवं बाल विकास सीधी के परियोजना अधिकारियो, पर्यवेक्षको एवं जन अभियान परिषद सीधी की टीम का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण किया गया। पोषण आधारित विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं को संचालित करने वाले सभी विभागों, स्वैच्छिक संगठनों, अन्य स्टेक होल्डर के साथ समन्वय से राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन जनआंदोलन के रूप में किया जाना है।

राष्ट्रीय पोषण मिशन 2024 हेतु मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सीधी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने जानकारी देकर बताया कि महिला एवं बाल विकास द्वारा पूर्व वर्षो की तरह इस वर्ष भी दिनांक 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक जन आन्दोलन के रूप मे पोषण अभियान प्रत्येक ग्राम में चलाया जावेगा। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में चलने वाले अभिनव अभियान की प्रभावी तैयारी विभाग द्वारा की जा रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी में समस्त पर्यवेक्षक एवं परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास सीधी को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया।

उन्होंने बताया कि इस मिशन का उद्देश्य कुपोषण, बौनापन, एनीमिया (छोटे बच्चों, महिलाओं और किशोरियों में) के स्तर को कम करना है, साथ ही कम वजन वाले बच्चों के जन्म और अन्य समस्याओं को कम करना है। अभियान का मुख्य उद्देश्य 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों में बौनापन को 2 प्रतिशत प्रति वर्ष कम करना है। 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों में अल्पपोषण (कम वजन) को 2 प्रतिशत प्रति वर्ष कम करना और छोटे बच्चों अर्थात 6 महीने से लेकर 59 महीने के बच्चों में एनीमिया की व्यापकता को 3 प्रतिशत प्रति वर्ष कम करना है। डॉ अलका सिंह पोषण विशेषज्ञ द्वारा मोटे अनाज से आसानी से बनने वाले व्यंजन एवं उनके पोषक तत्वों के बारे में सूक्ष्म रूप से अवगत कराया गया। आर.सी. त्रिपाठी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सीधी द्वारा अभियान के उद्देश्य, घटक, गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

बॉक्सिंग संघ सीधी के खिलाड़ियों के द्वारा खेल दिवस मनाया गया

सीधी। सीधी जिला बॉक्सिंग संघ सीधी के तत्वाधान में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष पर मानस भवन के प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में सीधी जिले के जिला शिक्षा अधिकारी डॉ प्रेमलाल मिश्रा व विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला शिक्षा क्रीड़ा प्रभारी अधिकारी हरिशंकर पांडे वा शारदा प्रसाद मिश्र, सीएम राइस स्कूल कन्या के खेल शिक्षक नुरु स्लाम माखन मिश्रा जिला बॉक्सिंग संघ और जिला कराते संघ के सचिव आदि के द्वारा मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा में पुष्प गुच्छ माल्याअर्पण किया गया। और सभी बॉक्सिंग खिलाड़ियों को मुंह मीठा कराया गया और जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा सभी खिलाड़ियों को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जीवन के बारे में सभी बच्चो को बताया गया और खेल के छेत्र में अच्छी लगन कड़ी मेहनत और आगे बढ़ते करने की प्रेरणा दिया गया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में रास्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य पर बॉक्सिंग की फाइट का शुभारंभ किया गया और सभी खिलाड़ियों और खेल प्रतिभाओं को खेल दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी।

बेसहारा गौ वंश को प्रमुख मार्गों से हटाने पूर्व जिला प्रशासन कदम उठाएं: उदय कमल

सीधी। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश दिनांक 16/08/2024 के परिपालन में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा आदेश जारी कर सीधी जिले के प्रमुख मार्गों पर 15 दिवस का विशेष अभियान चलाकर बेसहारा गौ वंश को नियंत्रण करने के लिए जिला एवं विकास खंड स्तर की समिति गठित की गई है जिसके संबंध में गौ वंश प्रेमी उदय कमल मिश्र अधिवक्ता द्वारा कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी को पत्र भेंट कर बेसहारा गौ वंश जो मुख्य मार्गों पर विचरण कर रहे हैं उन्हें शासकीय गौ शालाओं एवं बाड़ों में रखने के पूर्व गौ वंश के आश्रय, भरण-पोषण, उपचार एवं देखभाल के लिए कुछ विशेष कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

श्री मिश्र ने कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी को भेंट किए गए पत्र में अपेक्षा किया है कि गौ शाला एवं बाड़े में गौ वंश को रखने के पूर्व गौ वंश के भरण-पोषण, उपचार एवं समुचित देखभाल के लिए स्थाई तौर पर गौ सेवकों की नियुक्ति की जाय। घायल, गर्भवती , नवजात एवं दूध पिलाने वाली गौ माताओं को अलग गौ शालाओं में रखकर उनके भरण-पोषण, उपचार एवं समुचित देखभाल के लिए स्थाई गौ सेवको की नियुक्ति किया जाय। घायल ,असमर्थ गौ वंश के उपचार एवं परिवहन के लिए जिला एवं विकास खंड में एम्बुलेंस की व्यवस्था की जाय। घायल गौ वंश के उपचार के लिए जिले के सभी पशु चिकित्सालयों में पशु चिकित्सक एवं कम्पाउन्डरो की व्यवस्था किया जाय। ऐरा प्रथा के संदर्भ में कार्यालय कलेक्टर सीधी के आदेश क्रमांक/1851/प,क्रू,/2022-23/सीधी दिनांक 17/09/2022के आदेश का क्रियान्वयन किया जाय।गौ शाला एवं बाड़े में रखें गयें गौ वंश का समुचित भरण-पोषण, उपचार एवं रखरखाव को व्यवस्थित करने के लिए जिला, विकास खंड एवं पंचायत स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया जाय जिसमें शासकीय एवं अशासकीय सदस्य का मनोनयन हों।

भाकपा एवं आंगनबाड़ी यूनियन द्वारा डिप्टी कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा

राज्य परिवहन वस पुनः चलाईं जाय

सीधी। भाकपा एवं आंगनबाड़ी यूनियन द्वारा संयुक्त रूप से आंदोलन कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी द्वारा अपने ज्ञापन में बताया कि मध्यप्रदेश रेल सेवाओं में अत्यंत पिछड़ा हुआ है। बहुत से जिले रेल सेवा से वंचित है। रेल विभाग ने कुछ सालों में सुनियोजित तरीके से सस्ती टिकट वाली पैसेंजर ट्रेन य तो वंद कर दी है या उन्हें महंगे किराये वाली एक्सप्रेस ट्रेन में बदल दिया है और एक्सप्रेस ट्रेन में जनरल और स्लीपर कोच लगातार घटा कर आम आदमी की पहुंच से दूर किये है। दूरस्थ ग्रामीण आम जनता यातायात के लिए पूरी तरह निजी वस सेवा पर निर्भर है! जिसमें मनमर्जी से किराया वसूला जाता है,वसो में लोग जान जोखिम में है क्योंकि न तो इन गाड़ियों का कोई फिटनेस होता न देखभाल! यात्रियों को वसो में जानवर की तरह ठूंसा जाता है और आयें दिन ये वसे दुर्घटना का सिकार हो कर निरीह यात्रियों की जान लेती है। इसलिए राज्य परिवहन वस पुनः चलाईं जाय? ज्ञापन में आगे कहा कि आर ई एस में निलंबित हिमांशु तिवारी, ब्रिजेंद्र सिंह और अरुण कुमार द्विवेदी के विरुद्ध ख़यानत का आपराधिक मामला दर्ज कर वसूली की जाय! जनजातीय विभाग के प्रभारी देवेन्द्र द्विवेदी को वापस शिक्षा विभाग भेजा जाय ! जनपद पंचायत सीधी अंतर्गत ग्राम वमुरी में वमुरी तिराहा से इटौही तक प्रधानमंत्री सड़क बनाई जाय! आंगनबाड़ी यूनियन एटक के जिलाध्यक्ष रानी द्विवेदी द्वारा दिये। गये ज्ञापन में कहा गया कि मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संपूर्ण कार्यकर्ता वनया जाय। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को फाइव जी मोबाइल उपलब्ध कराया जाय। पोषण अभियान के लिए अलग से वजट उपलब्ध कराया जाय। सेक्टर की मीटिंग सेक्टर में ही करायी जाय न कि परियोजना में! उक्त कार्यक्रम में। प्रमुख रूप से राज्य परिषद सदस्य कामरेड आनंद पांडेय, वरिष्ठ नेता कामरेड माधव पांडेय, कामरेड इंद्रभान पटेल, कामरेड महेंद्र सिंह, कामरेड लाल बहादुर पटेल, काम कामरेड प्रमोद शुक्ल, अमर बहादुर सिंह, शेषमणि साहू, मुन्ना कोल, रामवाई कोल, आंगनबाड़ी यूनियन की अध्यक्ष रानी द्विवेदी, कोषाध्यक्ष कुशुम सिंह, डाली सिंह, रमा सिंह, विजय लक्ष्मी, ज्योत्सना सिंह, सोनवती, निराला, कल्पना चतुर्वेदी, मधू जयसवाल, सरस्वती अवधिया, आशा दीवान, रेनू सिंह उपस्थित रहीं।

संपादकीय

प्रतिमा का ढह जाना

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में चंद माह पहले स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा के धराशायी होने की घटना सिर्फ इसलिए दुखद नहीं है कि यह प्रतिमा हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी थी और इससे भारतीय नौसेना की साख भी जुड़ी हुई थी, बल्कि यह इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण-कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था। यह अच्छी बात है कि महाराष्ट्र सरकार ने और खुद नौसेना ने भी अपने तईं इस घटना की जांच-पड़ताल के लिए टीमें गठित की हैं और इस प्रतिमा के निर्माण से जुड़ी कंपनी के मालिक व संबंधित अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। प्रतिमा को दुरुस्त कर पुनर्स्थापित करने की कोशिशें भी की जा रही हैं।वैसे तो पूरे देश में ही छत्रपति शिवाजी के प्रति गहरे सम्मान का भाव पाया जाता है, मगर महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के लिए वह एक प्रतीक पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, राजकोट किले की इस घटना पर राजनीतिक हंगामा खड़ा होना ही था। तब तो और, जब चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाला हो और एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित रही हो। स्वाभाविक ही उसने तथा महाविकास अघाड़ी ने इस योजना में भारी भ्रष्टाचार के आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं और इसे शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को वह कुंद कर सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे। निस्संदेह, यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी यूं उजागर हुई है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। इसी मानसून में बिहार में नए-पुराने पुलों के ढहने का सिलसिला मीडिया में सुर्खियों में रहा।

देश संवारने में लगीं लखपति दीदियां

प्रधानमंत्री कहते हैं कि भारत को विकसित बनाने के लिए भारत की प्रत्येक महिला को आर्थिक रूप से समृद्ध करना होगा, इसलिए हमारी सरकार महिलाओं की आर्थिक शक्ति को बढ़ाने के लिए सभी दिशाओं में काम कर रही है। बैंक सखी, कृषि सखी, पशु सखी, नमो ड्रोन दीदी इसी दिशा में बढ़ाए गए महत्वपूर्ण कदम हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को रोजगार-स्वरोजगार के नए अवसर देने और सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पहलुओं पर सशक्त बनाने की सोच को दर्शाते हैं। आज हमारी लखपति दीदी कृषि और गैर-कृषि, कुटीर उद्योग, पोषण आहार, स्वच्छता अभियान, परिवहन सहित व्यापार से जुड़कर सशक्त हो रही है।

(शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री)

किसी बहन की आंखों में आंसू न रहे, हर एक चेहरे पर मुस्कराहट आए, कोई मजबूर न रहे, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है, इसीलिए उन्होंने लखपति दीदी अभियान चलाया है। ऐसी दीदी, जिनकी सालाना आय एक लाख रुपये से अधिक हो, ऐसी एक करोड़ दीदियां लखपति बन चुकी हैं और विगत 100 दिन में 11 लाख दीदी लखपति बनी हैं। हमारी सरकार इस अभियान में तेजी से जुटी हुई है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में इस अभियान से लगातार महिलाएं जुड़ रही हैं और स्व-सहायता समूह के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं। जल्द ही तीन करोड़ दीदियां लखपति दीदी बन जाएंगी। देश में महिलाएं आगे बढ़ें, समृद्ध और संपन्न बनें व प्रगति के नए आयाम स्थापित करें, इसके लिए विगत 10 वर्षों से महिला कल्याण के अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। महिलाओं के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तीकरण को सुनिश्चित किया गया है।

महिलाएं हमारे समाज और राष्ट्र की धुरी हैं। हमारे गौरवशाली और समृद्ध भविष्य का आधार हैं। हमारे वेदों और पुराणों में नारी के महत्व का उल्लेख किया गया है। नारी शक्ति के बिना राष्ट्र की समृद्धि की कल्पना नहीं की जा सकती है, इसलिए प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति के समग्र विकास और संपूर्ण उत्थान को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया है।

महिला सशक्त होगी, तो परिवार सशक्त होगा, परिवार सशक्त होगा, तो समाज सशक्त होगा और समाज के सशक्त होने से राज्य व राष्ट्र सशक्त होगा। लखपति दीदी अभियान से पीढ़ियां समृद्ध और सशक्त हो रही हैं, इसलिए महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 2,500 करोड़ रुपये 'रिवॉल्विंग फंड' के रूप में स्वयं-सहायता समूहों के खातों में डाले हैं और पांच हजार करोड़ रुपये के बैंक ऋण जारी किए हैं, जिससे बहनें तेजी से लखपति दीदी बन सकें।

प्रधानमंत्री कहते हैं कि भारत को विकसित बनाने के लिए भारत की प्रत्येक महिला को आर्थिक रूप से समृद्ध करना होगा, इसलिए हमारी सरकार महिलाओं की आर्थिक शक्ति को बढ़ाने के लिए सभी दिशाओं में काम कर रही है। बैंक सखी, कृषि सखी, पशु सखी, नमो ड्रोन दीदी इसी दिशा में बढ़ाए गए महत्वपूर्ण कदम हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को रोजगार-स्वरोजगार के नए अवसर देने और सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पहलुओं पर सशक्त बनाने की सोच को दर्शाते हैं। आज हमारी लखपति दीदी कृषि और गैर-कृषि, कुटीर उद्योग, पोषण आहार, स्वच्छता अभियान, परिवहन सहित व्यापार से जुड़कर सशक्त हो रही है।

गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए नरेंद्र मोदी ने बहनों-बेटियों के सर्वसमावेशी विकास के लिए 'नारी गौरव नीति' जैसी योजना बनाई थी। वहां बहनें स्वावलंबी, आत्मनिर्भर, सशक्त और आर्थिक रूप से सक्षम बनें, इस दिशा में अनेक कार्य किए गए। आज बहनें सिद्ध कर रही हैं कि वे अबला नहीं, सबला हैं। बोझ नहीं, वरदान हैं। आज देश भर में करीब 92 लाख स्व-सहायता समूह कार्य कर रहे हैं, जिनसे 10 करोड़ बहनें जुड़ी हैं। स्व-सहायता समूह के माध्यम से बहनों ने अपना जीवन बदला है और वे देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सरकार का सदैव यह प्रयास रहा है कि बहनों के जीवन में कैसे खुशियां लेकर आएं। इसके लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अनेक तरह की योजनाएं भी बनाई गई हैं। जहां एक ओर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान और 'सुकन्या समृद्धि' जैसी योजनाओं के माध्यम से लिंगानुपात में क्रांतिकारी बदलाव आया है। 'उज्ज्वला योजना' के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक बहनों का खुशहाली से कनेक्शन जुड़ा और धुएं से मुक्ति मिली। आज पीएम मुद्रा योजना और जन-धन योजना के माध्यम से करोड़ों बहनों के खाते में खुशियां सीधे पहुंच रही हैं। जल जीवन मिशन जैसे अभूतपूर्व प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहनों को नल से शुद्ध जल मिलना आसान हुआ है। मातृत्व अवकाश की अवधि बढ़ाने का प्रधानमंत्री का निर्णय अभूतपूर्व है और इसका सीधा लाभ कामकाजी महिलाओं को मिल रहा है। बेटियों के लिए सैनिक स्कूल के द्वार खोलने जैसे निर्णयों से सेना में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है। साथ ही, भारतीय सेना में महिला अधिकारियों को उच्च पदों पर नियुक्ति और नई भर्ती के द्वार भी खोले गए हैं। तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाकर, मुस्लिम महिलाओं को नया अधिकार दिया गया, जिससे उनका भाग्य बदला है। खेलों के क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ें, नई प्रतिभा बाहर आए, इसलिए खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों से निकली खिलाड़ी बेटियों ने ओलंपिक जैसे वैश्विक मंचों पर भारत का तिरंगा लहराया है। आजादी के अमृतकाल में नारी का अभ्युदय और प्रत्येक क्षेत्र में उसकी भागीदारी सुनिश्चित हो, इसके लिए प्रधानमंत्री प्रतिबद्ध हैं। महिला कल्याण केंद्रित योजनाओं से महिलाओं को सुगमता के साथ जीवन जीने का अवसर मिला है। बेटियां गंगा, गीता, गायत्री हैं। सीता, सत्या, सावित्री हैं। दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती हैं। इनके बिना सृष्टि नहीं चल सकती। आज परिवार से लेकर पंचायत तक, शिक्षा से लेकर अर्थव्यवस्था व उद्यम तक, नारी शक्ति हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही है। स्टार्टअप से लेकर स्पेस तक भारतीय महिलाओं ने अपना परचम लहराया है। प्रधानमंत्री ने लाल किले के प्राचीर से कहा कि मैं विकसित भारत बनाने के लिए तीन गुना अधिक ताकत से काम करूंगा। मेरी लखपति दीदियों से अपील है कि हमें भी दोगुनी रफ्तार से काम करना चाहिए। उनका संकल्प है गरीबी मुक्त गांव, ऐसे गांव बनाने में हम कोई कसर न छोड़ेंगे।

हमारे प्राचीन ग्रंथों में लिखा है, 'नारी के बिना यज्ञ अधूरा है।' विकसित भारत के निर्माण और राष्ट्र के संपूर्ण कल्याण का यज्ञ भी नारी के उत्थान एवं उसके सशक्तीकरण के साथ ही संभव है। देश भर में माताओं, बहनों एवं बेटियों के कल्याण के जो कार्य हो रहे हैं, वह 'विकसित और आत्मनिर्भर भारत' की भव्य इमारत को दिव्य आकार दे रहे हैं। आज हमारी माताएं, बहनें आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर हो रही हैं और हम सब विकसित भारत के स्वप्न को साकार होते देख रहे हैं। संपूर्ण विश्व कह रहा है कि यह समय भारत और भारत की नारी शक्ति के उदय का है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सर्वजन का नहीं मिला साथ, क्या बहुजन से फिर बनेगी बात?

बहुजन समाज पार्टी इस समय काफी बुरे दौर से गुजर रही है। उसके वोट बैंक में जबर्दस्त गिरावट आई है तो पार्टी से जुड़े करीब-करीब सभी पुराने नेताओं ने बसपा का दामन छोड़ दिया है। एक समय था जब उत्तर प्रदेश में मायावती दलितों की सबसे बड़ी नेत्री हुआ करती थीं। दलित वोटों की ताकत के बल पर वह अन्य दलों से राजनैतिक सौदेबाजी भी कर लेती थी, परंतु जब से मायवती ने समाज के अन्य वर्गों खासकर मुसलमानों के बीच अपना दायरा बढ़ाने की कोशिश शुरू की हैं तब से पार्टी के भीतर दलित नंबर दो की हैसियत बनकर रह गये थे।

(संजय सक्सेना)

इस वर्ष हुए आम लोकसभा चुनाव में सर्वजन को साधकर सत्ता की मास्टर चाबी तलाशती रहीं मायावती को इस लोकसभा चुनाव ने पूरी तरह से संदेश दे दिया है कि दलित वोटों की नींव पर टिकी उनकी पार्टी की राजनीतिक जमीन अब काफी खोखली हो चुकी है।

बहुजन समाज पार्टी इस समय काफी बुरे दौर से गुजर रही है। उसके वोट बैंक में जबर्दस्त गिरावट आई है तो पार्टी से जुड़े करीब-करीब सभी पुराने नेताओं ने बसपा का दामन छोड़ दिया है। एक समय था जब उत्तर प्रदेश में मायावती दलितों की सबसे बड़ी नेत्री हुआ करती थीं। दलित वोटों की ताकत के बल पर वह अन्य दलों से राजनैतिक सौदेबाजी भी कर लेती थी, परंतु जब से मायवती ने समाज के अन्य वर्गों खासकर मुसलमानों के बीच अपना दायरा बढ़ाने की कोशिश शुरू की हैं तब से पार्टी के भीतर दलित नंबर दो की हैसियत बनकर रह गये थे। यह बात दलितों को अखरती भी थी, लेकिन दलित वोटरों ने माया से कभी बेवफाई की नहीं सोची। परंतु पिछले कुछ वर्षों से यह सिलसिला टूट गया है। दलित वोटर अपने फायदे के लिये कभी भाजपा को कभी समाजवादी पार्टी का दामन थामने लगे।

इस वर्ष हुए आम लोकसभा चुनाव में सर्वजन को साधकर सत्ता की मास्टर चाबी तलाशती रहीं मायावती को इस लोकसभा चुनाव ने पूरी तरह से संदेश दे दिया है कि दलित वोटों की नींव पर टिकी उनकी पार्टी की राजनीतिक जमीन अब काफी खोखली हो चुकी है। मायावती की यह चिंता अब उनके शब्दों के साथ बाहर आ रही है। लोकसभा चुनाव के बाद से बसपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जो भी संदेश दिया है, उसमें 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की ही बात कही गई है, जबकि इससे पहले उनकी पार्टी की रणनीति और बसपा शासन का भी सूत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय ही था। इससे माना जा रहा है कि वह अब अपने कोर वोटबैंक रहे बहुजन समाज को फिर से आकर्षित करने के प्रयास में हैं।

उधर, बसपा प्रमुख मायावती को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को दिए संदेश में बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की बात तो की, लेकिन एक बार भी सर्वजन यानी सभी समाज-वर्गों का उल्लेख नहीं आया। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर व दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से भी यही अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों बसपा मूवमेंट व बहुजन अस्मिता के हित में पूरे जी-जान से लगे रहें। सिर्फ यही बैठक नहीं, बल्कि 11 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों के साथ बैठक में दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव लड़ने की घोषणा की, तब भी संदेश दिया कि बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की नीति एवं सिद्धांत पर जनता का भरोसा फिर से जीतने का प्रयास लगातार जारी रखना है। यहां गौर करने वाली बात है कि उत्तर प्रदेश में जब बसपा की सरकार थी, तो सरकार सूत्र वाक्य था- सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय। इतना ही नहीं, मायावती अपनी बैठकों में भी इस सूत्र वाक्य को दोहराना नहीं भूलती थीं। उदाहरण के तौर पर लोकसभा चुनाव परिणाम से पहले 23 मई 2024 को गौतमबुद्ध की जयंती पर मायावती द्वारा जारी संदेश में खुद कहा था कि बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार बार अपनी सरकार सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के आदर्श के आधार पर चलाई और समतामूलक समाज स्थापित करने का पूरा प्रयास किया। इसी तरह 2024 में ही एक जनवरी, 15 जनवरी और 20 जनवरी को दिए गए संदेश में भी मायावती ने सर्वजन हिताय की बात कही। इन बयानों पर गौर करें तो पता चलता है कि सर्वजन का सूत्र लोकसभा चुनाव परिणाम आने के पहले तक रहा और उसके बाद से सिर्फ बहुजन की रट है। आखिर क्यों? इसका संकेत लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद मायावती द्वारा बुलाई गई पहली राष्ट्रीय स्तरीय बैठक के संबोधन में मिलता है। उसमें उन्होंने स्पष्ट कहा था कि इस बार विरोधी पार्टियों द्वारा चुनाव में विशेषकर संविधान बचाओ जैसे मुद्दों को उठाकर जनता को गुमराह किया, उससे बसपा का जबरदस्त नुकसान हुआ है। मायावती को इस लोकसभा चुनाव से संकेत मिल गया है कि जिस तरह 2014 और 2019 के चुनाव में भाजपा ने बसपा के दलित वोटबैंक में सेंध लगाई, अब उसमें सपा और कांग्रेस भी बड़ी सेंध लगाती दिख रही हैं।

वर्ग पहेली 5477

1	2	3	■	4	5	6	
7			8	■	9		■
	■	10		11			■
12	13	■	14		■	■	15
16		17	■	18	19	20	
21			■	22			■
	■	23		■	■	24	25
26			■	27			

संकेत: बाएं से दाएं
1. 2002 में इस देश में मिलने के वायदे के साथ 14 वें एशियाई खेलों का बुसान में रंगारंग समापन (3)
4. उत्तरप्रदेश का गंगातट पर बसा एक शहर (4)
7. लहराना, धधकना, हवा का झोंका आना (4)
9. नगाड़ा पीटने का डंडा (2)
10. ट्रेजिडी क्वीन से प्रसिद्ध रही है ये अभिनेत्री (5)
12. पंचतत्वों में से एक, आब, नीर (2)
14. कमल, कुमुद फूलों की लंबी और खोखली नली (2)
16. संतान, वंशज (3)
18. एक मंगल वाद्य, मृदंग (4)
21. याद करने के लिए बारंबार दोहराना (3)
22. रोचना, टीका, धर्मचिन्ह (3)
23. कागज के चौबीस तत्वों की गड्डी, सैनिकों की टोली (2)
24. इस समय, इस वक्त (2)
26. भूमि आदि पर लगने वाला कर, भूकर (3)
27. जिसकी सभी सतह समान हों (4)

ऊपर से नीचे
1. भूतकाल, वर्तमान और भविष्यकाल में, इस फिल्म में कपूर परिवार की तीनों पीढ़ियों (पृथ्वीराजकपूर, राज कपूर व रणधीर कपूर) ने एक साथ अभिनय किया (8)
2. नीचे वाला भाग, परत, स्तर (2)
3. दस्तावेज, लिखित, कलमबंद, तहरीरी (3)
5. गीत, तराना (3)
6. पूजा करने वाला (3)
8. सुनिश्चय नहीं (3)
11. किसी विश्वविद्यालय का सर्वोच्च अधिकारी (4)
13. मस्तक, माथा, पेशानी (3)
15. बाजा, वाद्य (2)
17. अविरामत, दन-दन शब्द करते हुए, निरंतर (4)
19. त्वचा, चमड़ी (2)
20. महत्व, गरिमा, महिमा (4)
25. शक्ति, ताकत, शिकन, मरोड़, ऐंठन (2)

वर्ग पहेली 5476 का हल

अ	हो	क	कु	मा	र	■	ब
प	ला	श	■	■	ज	प	ना
रा	■	■	मं	द	क	र	ना
ग्रि	ज	री	दो	स्त	■	ख	■
ता	ब	■	द	■	न	■	ज
■	न	■	री	ता	फा	रि	या
छा	■	पो	■	न	स	■	ना
या	दें	■	स	ना	त	न	■

ओ री चिरैया!

(किरण बगादे)

कुटिल शिकारियों की निरंतर पीछा करती नजरों के बीच भी उड़ने का हौसला न खोने का संदेश देती यह चिरैया जैसे आज के समाज की लड़कियों का जीवंत प्रतीक बनकर उभरी है। शीतल वर्मा की इस कृति में नीचे की ओर गिरती चिड़िया, उसके टूटते पंख उस कठिन संघर्ष को बयां कर रहे हैं जिससे उसे गुजरना पड़ा है, जिससे हमारे समाज में आगे बढ़ने, कुछ कर गुजरने की तमन्ना रखने वाली तकरीबन हर लड़की को गुजरना पड़ता है। इसी तमन्ना की कीमत चुकाते हुए कई जिंदगियां कुर्बान हो जाती हैं। कई निर्भया हमारी चेतना में हमेशा के लिए दर्ज होकर हमें इस बात का अहसास कराती रहती हैं कि लोकतंत्र और कानून के शासन के तमाम दावों के बीच उन्हें कितना कुछ झेलकर, किन हालात में, कितनी क्रूर मौत स्वीकारनी पड़ी। मगर कितनी सारी ऐसी हैं जिन्हें कोई नाम, कोई पहचान नहीं मिलती, जो बस इन दर्दनाक मौतों की संख्या बढ़ाते हुए समाप्त हो जाती हैं।

घटना चाहे कठुआ की हो, चाहे उन्नाव की या फिर कोलकाता की- कुछ दिनों का कैंडल मार्च और वी वांट जस्टिस के कुछ दिन गूंजते नारे ही इनका हासिल होते हैं। इन शर्मनाक हरकतों को अंजाम देने वालों की प्रजाति पूरी तरह सुरक्षित रहती है। कहीं उसे धर्म का संरक्षण मिल जाता है, कहीं जाति का तो कहीं विचारधारा और संगठन का। बचाने के तरीके भी उतने ही दिलचस्प होते हैं। जिसे बचाना संभव नहीं, उसके लिए फांसी की मांग जोर-शोर से उठाई जाती है, लेकिन जिस सोच के तहत भविष्य के संभावित बलात्कारियों की प्रजाति फल-फूल रही होती है, उस पर आंच न आए इसका पूरा ख्याल रखा जाता है। बेटियों-बहनों की हिफाजत की जिम्मेदारी उन्हीं पुरुषों पर डाली जाती है, जिनके बीच बलात्कारी सोच पल रही होती है। यह सुनिश्चित नहीं किया जाता कि लड़की सशक्त हो, वह अपने पैरों पर खड़ी हो, खुद अपनी हिफाजत कर सके, न सिर्फ अनजान दरिंदों से बल्कि अपने आसपास मौजूद छुपे भेड़ियों से भी। ऐसे में टूटते पंखों के साथ नीचे गिरती इस मासूम चिड़िया की आंखों की मायूसी हमें शर्मिंदगी के समंदर में डुबोती है तो आश्चर्य क्या! ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

आज का राशिफल

मेष

आज आर्थिक मामलों में दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहेगा और आपको दौड़भाग करनी पड़ेगी। आपको परिवार के लोगों के साथ किसी जरूरी कार्य को पूरा करने के लिए काफी दौड़भाग करनी पड़ सकती है। सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने की आपकी विशेषता आज भी आपको यश देगी।

वृषभ

आज करियर में सफलता पाने का दिन है। आज आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको लाभ होगा और आर्थिक योजनाएं पूर्ण होंगी। ऑफिस में आपके विरोधी आपसे आगे निकलने का प्रयास करेंगे। लेकिन ऐसा हो नहीं पाएगा। धीरे धीरे सफलता की ओर कदम बढ़ाये जा सकते हैं।

मिथुन

आज दिन सामान्य है और आपको हर मामले में कारोबार में विजय प्राप्त होगी। आपका तनाव कम होगा और कोई रुका कार्य पूर्ण होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। संतान पक्ष की ओर से हर्षदायक समाचार मिलने से आपका मनोबल ऊंचा होगा।

कर्क

आज करियर में लाभ का दिन है और आप जो भी निर्णय लेंगे उसमें आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। कारोबार में आ रही अड़चनें समाप्त होंगी। जन संपर्क में वृद्धि होने से आप प्रफुल्लित रहेंगे।

सिंह

आज करियर में लाभ और सफलता का दिन है। आपको भाग्य का साथ मिलेगा और हर कार्य में सफल होंगे। विरोधियों का षड़यंत्र असफल रहेगा और सांसारिक सुख भोग के साधनों पर शुभ व्यय होने से मन में हर्ष होगा।

कन्या

आज दिन अधिक खर्च वाला रहेगा और आपको आय बढ़ाने के लिए काफी मेहनत भी करनी पड़ सकती है। आपको सेवा और पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा। विरोधियों के लिए आप सिरदर्द बने रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी।

तुला

आज लोगों के लिए दिन सफलता से भरा होगा और धन से संबंधित मामलों में लाभ होगा। अत्यधिक श्रम करने पर भी आय कम और व्यय अधिक होगा। गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे, व्यर्थ की भागदौड़ पारिवारिक मामले में अशांति होगी। सूर्यास्त होते समय कुछ राहत मिल जाएगी।

धनु

आज कार्य सफलता का दिन है। आपको राज्य कार्यों में सफलता मिलेगी और आपके घर में धन धान्य की वृद्धि होगी। आपको मित्रों से लाभ होगा और शत्रुओं पर विजय और मनोरथ सिद्ध होगी। आपके घर में कोई मेहमान आ सकता है और आपके खर्च व काम दोनों इसकी वजह से बढ़ेंगे।

कुंभ

आज करियर के मामले में लाभ और सम्मान का दिन है। रुके कार्य पूर्ण होने से आपका मन खुश रहेगा और आपको कहीं से रुका पैसा मिलने से प्रसन्नता होगी। किसी वृद्ध महिला का आशीर्वाद मिलने से उन्नति के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। बहुत समय से आपके घर में चल रहे विवाद का अंत होगा।

वृश्चिक

आज दिन काफी चुनौतीपूर्ण होगा और आपको काम अधिक करना पड़ेगा। कोई महत्वपूर्ण व्यवसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है। यदि आप आज अपनी बात दूसरों तक पहुंचाने में कामयाब होंगे तो आपकी योजनाएं सफल होंगी।

मकर

आज करियर के मामले में लाभ का दिन है और सोची गई सभी योजनाएं पूर्ण होने से दिन आनंद में बीतेगा। आपको अच्छे लोगों का साथ मिलने से मन में प्रसन्नता होगी। उच्चाधिकारियों की कृपा से भूमि-जायदाद संबंधी विवाद का समाधान भी हो जाएगा।

मीन

आज कारोबार में लाभ और सफलता का दिन है। आपको करियर में सफलता मिलने हर्ष होगा और पूरे दिन आय के नए स्रोत सामने आएंगे। विरोधपक्ष पराजित होगा। आपके भाग्य का सितारा फिर से चमकने लगेगा। व्यवसाय में अधिक धन लगाना लाभकारक रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

अब कुमारी शैलजा को भी मिल सकता है टिकट, हरियाणा कांग्रेस का यू-टर्न

शिमला, एजेंसी। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि पार्टी का कोई सांसद हरियाणा में मुख्यमंत्री

पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर सकता है, बशर्ते उनके पास नवनिर्वाचित विधायकों का समर्थन हो। पार्टी महासचिव और हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया ने इससे एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि किसी भी सांसद को विधानसभा चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। हरियाणा में कांग्रेस की ओर से भूपेंद्र सिंह हुड्डा, दीपेंद्र हुड्डा, रणदीप सुरजेवाला और कुमारी सैलजा को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में देख जा रहा है। इनमें से दीपेंद्र हुड्डा, सुरजेवाला और सैलजा सांसद हैं। कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के बाद जब बाबरिया से सवाल किया गया कि क्या सांसदों के मुख्यमंत्री बनने के विकल्प खुले हुए हैं तो उन्होंने हां में जवाब दिया। उनका कहना था, 'पार्टी का ऐसा कोई भी व्यक्ति अपने आप को मुख्यमंत्री पद के लिए प्रस्तुत कर सकता है जिसके पास विधायक दल में से किसी न किसी का समर्थन रहता है और कांग्रेस आलाकमान का आशीर्वाद रहता है।' बाबरिया ने कहा कि पार्टी इस विधानसभा चुनाव में किसी एक चेहरे के साथ नहीं, बल्कि सामूहिक नेतृत्व के साथ उतरेगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 50 से 55 सीट के लिए संभावित उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दे दिया गया है और इन पर मुहर लगाने के लिए पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की दो-तीन सितंबर को बैठक हो सकती है। बाबरिया ने बुधवार को कहा था कि पार्टी के किसी भी सांसद को विधानसभा चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

15 महीने में पटनायक सरकार ने ऐड पर खर्च कर दिए थे 33 करोड़ : मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की सरकार ने जनवरी 2023 से इस साल मई के बीच विज्ञापनों पर सरकारी खजाने से 33 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए, जिनमें से लगभग आधा पटनायक के भरोसेमंद सहयोगी रहे वीके पांडियन के विज्ञापनों पर खर्च किया गया। यह जानकारी सरकार ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में दी। अखबारों में सरकारी विज्ञापनों पर खर्च के बारे में भाजपा विधायक लक्ष्मण बाग के एक सवाल का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि राज्य के विभिन्न समाचार पत्रों में सरकारी विज्ञापनों पर 33.71 करोड़ रुपये खर्च किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें से 15.26 करोड़ रुपये पूर्व 5अ अध्यक्ष वीके पांडियन के विज्ञापनों और विज्ञापनों पर खर्च किए गए। राज्य के मुख्यमंत्री माझी ने कहा, इस अवधि के दौरान, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने कुछ समाचार पत्रों से कई कार्यक्रमों पर विज्ञापन प्रकाशित करने का अनुरोध किया था और इनमें विशिष्ट कार्यक्रमों से संबंधित तस्वीरें शामिल थीं, जिनमें सीएम और उनके करीबी सहयोगी पांडियन दोनों शामिल थे। विभाग ने इस अवधि के दौरान विभिन्न समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किए, जिनमें विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला गया। सीएम के जवाब पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेडी ने कहा कि किसी एक व्यक्ति का महिमामंडन करने के लिए कोई विज्ञापन नहीं दिया गया। बीजेडी प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने कहा, विज्ञापन विभिन्न सरकारी योजनाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए दिए गए थे। किसी भी विज्ञापन में पांडियन की तस्वीर नहीं थी और केवल नवीन पटनायक को दिखाया गया था। इस तरह के हमले बहुत घटिया हैं।

पैर छूने को तैयार और मांग रहे माफी, शिवाजी की प्रतिमा गिरने से बैकफुट पर आ गई पूरी सरकार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र और देश भर के लिए बड़े नायक माने जाने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के आंधी में ढहने का मुद्दा राज्य सरकार के लिए भारी पड़ रहा है। इस मसले पर पूरी सरकार ही बैकफुट पर आ गई है और किसी तरह इससे बचने की कोशिश में है। चुनावी सीजन से पहले शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने से विपक्ष को बैठे बिठाए एक मुद्दा मिल गया है। यही वजह है कि एक तरफ सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि मैं 100 बार शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पैर छूने और माफी मांगने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज पूजनीय हैं और उन्हें राजनीति से दूर रखना चाहिए। सिंधुदुर्ग में लगी इस मूर्ति के गिरने पर अजित पवार ने भी दुख जताया है। उन्होंने कहा कि मैं महाराष्ट्र की 13 करोड़ जनता से इस पर माफी मांगता हूं। वह लगातार कह रहे हैं कि मैं 13 करोड़ लोगों से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं। महाराज शिवाजी की प्रतिमा गिरना हमारे लिए एक सदमे जैसा है। अजित पवार ने कहा, इस मामले में दोषी पाए गए ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। राज्य के डिप्टी सीएम के तौर पर मैं माफी मांगता हूं। मेरा वादा है कि भविष्य में अब राज्य में ऐसी कोई घटना नहीं होने दी जाएगी। एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराज शिवाजी महाराष्ट्र के संरक्षक देवता हैं। मैं उनके 100 बार पैर छूकर माफी मांगने के लिए तैयार हूं। वहीं भाजपा नेता और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी इसे लेकर दुख जताया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि महाराज की प्रतिमा का निर्माण भारतीय नौसेना की देखरेख में हुआ था। इसमें राज्य सरकार का कोई रोल नहीं था। फडणवीस का कहना था कि राज्य सरकार इससे भी बड़ी शिवाजी की प्रतिमा लगवाएगी और उनके सम्मान को बरकरार रखा जाएगा।

शिमला का बोझ कम करने के लिए सुक्खू सरकार ने की अधिकांश दफ्तरों को शिफ्ट करने की घोषणा

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में जनसंख्या का दवाब लगातार बढ़ रहा है। इसे कम करने के लिए राज्य सरकार कुछ सरकारी दफ्तरों को यहां से दूसरे जिलों में शिफ्ट करेगी। विधानसभा के मॉनसून सत्र में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने यह घोषणा की है। ज्वालामुखी के कांग्रेस विधायक संजय रतन ने सदन के अदर शिमला में सरकारी कर्मचारियों के आवास की कमी का मुद्दा उठाया था।

इसके जवाब में मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि निश्चित तौर पर राजधानी होने के नाते शिमला में सरकारी कार्यालयों की भरमार है, जिसे कम करने की जरूरत है और ऐसे में कुछ सरकारी दफ्तरों को शिमला से बाहर अन्य जिलों में स्थानांतरित किया जाएगा। मुख्यमंत्री का कहना है कि इस कदम से जहां एक ओर शहर से बढ़ते दफ्तरों और जनसंख्या का दबाव हटेगा, वहीं कर्मचारियों की आवास की समस्या का भी समाधान होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तर पर ऐसे कई भवन खाली पडे हैं, जिनका अभी इस्तेमाल नहीं हो रहा है और कार्यालय शिफ्ट करने से वे इस्तेमाल में आएंगे। वहां पर इन कार्यालयों को शिफ्ट किए जाने पर सरकार विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि राजधानी होने के कारण सभी विभाग यहां पर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमला में सरकारी आवास

बनाने के लिए जमीन नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को घर देने के लिए इसकी सूची बनी हुई है और यहां पर इस समय 47 मकान खाली हैं, लेकिन ये अभी रहने योग्य नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रियों और अधिकारियों के मकान को इयर मार्क किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने भी मकान इयर मार्क किए हैं। सरकार हाईकोर्ट से बात कर उनके पास खाली सरकारी आवासों को सरकार को देने को लेकर बात करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मंत्रियों और अधिकारियों को मकान नहीं मिले हैं, उन्हें जल्द मकान दे दिए जाएंगे। इनके मकान को इयर मार्क किया जाएगा।

पूर्व भाजपा सरकार ने भी किया था दफ्तर शिफ्ट करने का एलान : राजधानी शिमला से सरकारी दफ्तरों को शिफ्ट करने की घोषणा पूर्व की भाजपा सरकार के कार्यकाल में भी हुई थी, लेकिन इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाए गए। दरअसल, दो साल पूर्व जब भाजपा की सरकार थी, तब मॉनसून सत्र में तत्कालीन सीएम जयराम ठाकुर ने घोषणा की थी कि कुछ सरकारी दफ्तरों को शहर से सटे क्षत्रों में स्थानांतरित किया जाएगा। उन्होंने कहा था कि इसके लिए शीघ्र संभावनाएं तलाशी जाएंगी क्योंकि शहर में जनसंख्या के बढ़ते बोझ की वजह से यातायात जाम व अन्य परेशानियां खड़ी हो रही हैं। इसके अलावा सरकारी दफ्तर बनने से शहर के आसपास वाले क्षेत्र भी विकसित होंगे।

जयराम ठाकुर ने इसके पीछे तर्क दिया था कि शिमला में लगातार जनसंख्या का दवाब है। यातायात की काफी ज्यादा समस्या हो चुकी है। ऐसे में जरूरी है कि यहां से कुछ सरकारी कार्यालयों को आसपास के लगते एरिया में शिफट किया जाए। इससे वहां पर यातायात की सुविधाएं भी होंगी और साथ लगता एरिया भी विकसित हो जाएगा। उन्होंने दावा किया था कि उनकी सरकार इस पर गंभीरता से विचार करेगी, लेकिन तब की भाजपा सरकार ने इस घोषणा को जमीन पर नहीं उतारा। अब कांग्रेस सरकार ने भी यही ऐलान किया है और देखना यह होगा कि इसे कब तक अमलीजामा पहनाया जाएगा।

शिमला शहर की आबादी ढाई लाख, पानी और ट्रैफिक जाम की समस्या आम : शिमला शहर की आबादी पिछले वर्षों में कई गुना बढ़ी है। अंग्रेजों ने इस शहर को 25 हजार की आबादी के लिए बसाया था, लेकिन शिमला शहर में अब करीब ढाई लाख लोग रह रहे हैं। शिमला से सटे कई गांव और कस्बे अब उपनगरों में तबदील हो गए हैं। उपनगरों में 70 डिग्री तक की ढलानों पर खड़े भवन देखे जा सकते हैं। भारी बरसात में भूस्खलन होने से कई भवनों को खतरा पैदा हो रहा है। बढ़ती जनसंख्या से यहां पानी, वाहन पार्किंग व ट्रैफिक जाम की समस्या खड़ी हो गई है। गर्मियों के सीजन में जल संकट गहराना आम हो गया है। इसी तरह टूरिस्ट सीजन के दौरान शहर में दाखिल होने के लिये पर्यटकों को कई किलोमीटर लंबे ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ता है।

राज्यसभा में और मजबूत हो सकती है वाईएसआरसीपी के 2 सांसद टूटे, 5 और छोड़ सकते हैं साथ

बेंगलुरु, एजेंसी। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में हार के बाद से ही वायएसआरसीपी को झटके लगना जारी है। अब पार्टी राज्यसभा में टूटती जा रही है। खबर है कि गुरुवार को ही दक्षिण भारतीय राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की पार्टी के दो सांसदों ने इस्तीफा दे दिया है। वहीं, संभावनाएं जताई जा रही हैं कि 5 और राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे सकते हैं। फिलहाल, इसे लेकर पार्टी ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वायएसआरसीपी के मोपिदेवी वेंकट रमण और बीदा मस्तान राव ने गुरुवार को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद और सांसदों के इस्तीफे की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, इससे भारतीय जनता पार्टी और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) को बड़ा फायदा होने के आसार हैं। कहा जा रहा है कि दोनों दल वायएसआरसीपी सांसदों के संपर्क में हैं और उप चुनाव में उनका समर्थन करने की पेशकश कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि 5 और सांसद इस्तीफा दे सकते हैं। इनमें गोला बाबूराव, आर कृष्णैया, परिमल नटवानी, एल्ला अयोध्यारामी रेड्डी और मेडा रघुनाथ रेड्डी का नाम शामिल है। रमणा का कहना है कि वह टीडीपी में शामिल हो जाएंगे और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में काम करने की अपनी इच्छा को पूरा करेंगे। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि वायएसआरसीपी नेतृत्व की तरफ से उनके विधानसभा में बनाए रखने के अनुरोध को कई बार नजरअंदाज कर दिया गया, जिसके कारण उन्हें राज्यसभा जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। पार्टी बदलने से पहले राव भी टीडीपी के सदस्य थे। खास बात है कि वह टीडीपी से विधानसभा सदस्य भी रह चुके थे। उन्होंने निजी कारणों का हवाला देकर राज्यसभा से इस्तीफा दिया है।

2016 में हमारी सरकार गिराने का खामियाजा भाजपा व जनता को भी भुगतना पड़ा : हरीश रावत

देहरादून, एजेंसी। साल 2000 से जब से उत्तराखंड राज्य उत्तर प्रदेश से अलग हो कर एक नया राज्य बना था तब से ही उत्तराखंड की राजनीति बड़ी दिलचस्प रही है। प्रदेश की राजनीति में कई उतार चढ़ाव आए है। साल 2016 में उत्तराखंड राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। उसके मुख्यमंत्री उस समय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत थे। उनकी सरकार बीच में ही गिर गई थी। इसके घाव आज तक नहीं भरे हैं। गुरुवार को एक बार फिर हरीश रावत ने साल 2016 में सरकार गिरने की पीड़ा पर बयान दिया। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने 2016 में उनकी सरकार गिराए जाने की पीड़ा को सार्वजनिक करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट में वीडियो में हरीश रावत ने कहा कि 2016 में हमारी सरकार गिराई गई और कुछ बड़े बड़े लोग पार्टी से टूटकर चले गए। उनके इस कदम से अकेले हरीश रावत को नुकसान नहीं उठाना पड़ा, बल्कि इसका खामियाजा भाजपा और जनता को भी भुगतना पड़ा है। हरीश रावत ने कहा कि, हरीश रावत उस घर का बेटा है, जिसकी माता को अपने पति की मृत्यु होने पर दो घरों में जाकर कफन की व्यवस्था के लिए पैसा मांगना पड़ा। अगर उनके मायके से सहायता नहीं मिलती, तो शायद मेरी माता मन माफिक तरीके से अपने पति का अंतिम संस्कार भी नहीं कर पातीं।

कांग्रेस शासित तेलंगाना में बैन हो सकती है कंगना रनौत की फिल्म

हैदराबाद, एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी पर बैन की तलवार लटक रही है। खबरें हैं कि कांग्रेस शासित तेलंगाना में सरकार फिल्म पर प्रतिबंध लगाने का फैसला ले सकती है। हालांकि, इसे लेकर अब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। हाल ही में एसजीपीसी यानी शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने भी फिल्म प्रोड्यूसर को लीगल नोटिस भेजा था।

तेलंगाना में बैन पर विचार कर सकती है सरका : तेलंगाना सिख सोसाइटी के 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर से मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान फिल्म में सिख समुदाय के चित्रण पर चिंता जाहिर की गई थी। आरोप लगाए जा रहे थे कि फिल्म में समुदाय की छवि खराब करने की कोशिश की गई है। खास बात है कि तेलंगाना में सिख समुदाय कुल आबादी का दो फीसदी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अधिकारियों का कहना है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को वादा किया है कि उनकी सरकार इमरजेंसी फिल्म पर बैन लगाने पर विचार करेगी। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, शब्बीर ने कहा, सिख समुदाय ने जोर दिया कि देश के सैन्य बलों में करीब 12 फीसदी सिख हैं, जिनमें से

कई ने देश की सुरक्षा के लिए जान कुर्बान कर दी है। फिल्म प्रचार की सामग्री को लेकर उन्होंने और खासतौर से सिख युवाओं ने नाराजगी जाहिर की है। शब्बीर ने औपचारिक रूप से सीएम रेड्डी से फिल्म पर बैन लगाने का अनुरोध किया है। उन्होंने फिल्म के कंटेंट पर सवाल उठाए और आशंका जताई है कि इससे तनाव हो सकता है। उन्होंने कहा है कि रेड्डी ने भरोसा दिया है कि वह कानूनी सलाह लेने के बाद इसपर फैसला लेंगे। अकाली दल ने भी उठाई मांग शिरोमणि अकाली दल की दिल्ली इकाई ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सेंसर बोर्ड) से अपील की है कि कंगना रनौत अभिनीत फिल्म 'इमरजेंसी' के रिलीज पर रोक लगाई जाए क्योंकि यह सांप्रदायिक तनाव भड़का सकती है। भाजपा सांसद और अभिनेत्री रनौत ने फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है। यह फिल्म छह सितंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। शिरोमणि अकाली दल की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने बुधवार को सेंसर बोर्ड को लिखे पत्र में कहा कि हाल में जारी फिल्म के ट्रेलर में त्रुटिपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य देखे जा सकते हैं जो न केवल सिख समुदाय को गलत तरह से प्रस्तुत करते हैं बल्कि नफरत और सामाजिक वैमनस्य भी फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह का चित्रण न केवल भ्रामक है बल्कि बहुत अपमानजनक तथा पंजाब एवं पूरे देश के सामाजिक तानेबाने को नुकसान पहुंचाने वाला भी है। सरना ने कहा, 'इस फिल्म से सांप्रदायिक तनाव बढ़ने और गलत सूचनाओं का प्रसार होने की आशंकाओं के मद्देनजर मैं सीबीएफसी से अनुरोध करता हूं कि इसकी रिलीज पर रोक लगाने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करे।

एमपॉक्स पर भारत की तैयारी तेज, तीन स्वदेशी टेस्टिंग किटों के निर्माण को मिली मंजूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में एमपॉक्स यानी मंकीपॉक्स पर नियंत्रण के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इसके तहत देश में टेस्टिंग किट बनाए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने एमपॉक्स का पता लगाने के लिये तीन स्वदेशी टेस्टिंग किट के निर्माण को मंजूरी दी है। इन टेस्टिंग किट्स को सीमेंस हेल्थकेयर, ट्रांसएशिया डायग्नोस्टिक्स और जेआईटीएम सी जीन द्वारा डेवलप किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रायल के एक अधिकारी ने कहा कि ये आरटी-पीसीआर किट वायरस की जांच के लिए पॉक्स के चकत्ते से तरल पदार्थ के नमूनों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने बताया कि इन किट्स को आईसीएमआर द्वारा मान्य किया गया था। हालांकि किट की कॉमर्शियल मैन्यूफैक्चरिंग नहीं होगी, क्योंकि इसकी कोई जरूरत नहीं है। यह तीनों स्वीकृत टेस्टिंग किट्स उन छह किटों में हैं, जिन्हें आईसीएमआर द्वारा वायरल संक्रमण का पता लगाने के लिए मान्यता दी गई है। 2022 में भारत में पहली बार एमपॉक्स के मामले सामने आने के बाद

आईसीएमआर ने कंपनियों से डायग्नोस्टिक्स और वैक्सीन डेवलप करने का आह्वान किया था। टेस्टिंग किट्स के अप्रूवल का यह प्रॉसेस डब्लूएचओ द्वारा एमपॉक्स को ग्लोबल इमरजेंसी घोषित करने के ऐलान के बाद शुरू हुआ है। इससे पहले जुलाई 2022 से मई 2023 के बीच भी एमपॉक्स केसेज काफी ज्यादा बढ़े थे। तब भी इसको ग्लोबल इमरजेंसी घोषित किया गया था। भारत में 2022 से अब तक एमपॉक्स के 30 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें मार्च 2024 में सबसे ज्यादा हैं। बता दें कि शुरू में यह संक्रमण इंटरनेशनल ट्रैवेलिंग करने वालों में ही पाया गया था। हालांकि बाद में अन्य लोगों में भी इसके लक्षण मिलने लगे। गौरतलब है कि देश में एमपॉक्स को लिए वैक्सीन भी तैयार की जा रही है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के मुताबिक वह इस दिशा में काम कर रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम एक वर्ष में मिलने की उम्मीद है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने एक बयान में कहा कि एमपॉक्स प्रकोप के कारण घोषित वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल के मद्देनजर, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इस बीमारी के लिए एक टीका विकसित करने पर काम कर रहा है।

भाजपा प्रवक्ता शाजिया इल्मी का ममता बनर्जी पर तंज, इतना गैर जिम्मेदाराना व भड़काऊ बयान आज तक नहीं सुना

जम्मू, एजेंसी। भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तंज कसा। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि इतना गैर जिम्मेदाराना और भड़काऊ बयान आज तक नहीं सुना। शाजिया इल्मी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर बंगाल जलेगा तो देश के अन्य राज्यों में भी इसका असर देखने को मिलेगा। भाजपा प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने कहा कि ममता बनर्जी का बयान भड़काऊ है। वो बलात्कारियों, भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को बचाने का काम करती हैं, इसमें पुलिस, प्रशासन और शासन सभी शामिल हैं। जब उनसे मामला नहीं संभलता है तो पूरे देश में आग लगाने की भड़काऊ बात करती हैं। इस तरह का गैर जिम्मेदाराना और भड़काऊ बयान आज तक मैंने नहीं सुना। देश में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा चिट्ठी लिखने के सवाल पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि ये एक शालीनता की आवाज है। वो बहुत ही आध्यात्मिक नेचर की हैं। उन्होंने देश की बेटियों के लिए प्रार्थना की। ऐसे में हम सभी लोगों को उनके इस सोच के साथ खड़ा होना होगा। देश की महामहिम ने बहुत ही शालीनता, संजीदगी और संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी है। वो महिला, आदिवासी बेटी के साथ-साथ चैतन्य आत्मा

भी हैं। चुनावी राज्य जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच हुई एलायंस को लेकर भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उन्होंने लाल चौक से जो तिरंगा फहराया था तो उनकी टेररिस्ट के साथ नजरे मिल गई थीं। राहुल गांधी संविधान की प्रतियां लेकर घूम रहे हैं, लेकिन वो चाहते नहीं है कि देश के दूसरे राज्यों के लोगों को जो अधिकार मिले हैं, वो जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी मिलें। शाजिया इल्मी ने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन को नापाक और खतरनाक बताया।

बीजेपी प्रत्याशी की उम्मीदवारी हो रद्द- चुनाव आयोग पहुंची उमर अब्दुल्ला की पार्टी

जम्मू कश्मीर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ही एक प्रत्याशी की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनाव आयोग के समक्ष एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है जिसमें कथित तौर पर सांप्रदायिक भाषण के लिए बीजेपी के डोडा ईस्ट उम्मीदवार गजय सिंह राणा को तत्काल अयोग्य ठहराने की मांग की गई है। राणा द्वारा कथित तौर पर दिए गए सांप्रदायिक भाषण वाले 39 सेकंड का वीडियो क्लिप जम्मू-कश्मीर में वायरल है। वीडियो में राणा एक रैली में भाषण दे रहे थे जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि डोडा जिले में चपनारी, कामलारी, बरशल्ला या सरथल में हुए हमलों में हिंदू निशाने पर थे और मुस्लिम अपराधी थे। उन्हें लोगों से ऐसी ताकतों के खिलाफ एकजुट होने के लिए कहते हुए भी सुना जा सकता है। चुनाव आयोग के समक्ष शिकायत में एनसी ने राणा को तत्काल अयोग्य ठहराने और कानून की एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। नेशनल कॉन्फ्रेंस की शिकायत में कहा गया है, डोडा ईस्ट निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार गजय सिंह राणा ने अपने चुनाव अभियान के दौरान भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान दिए हैं जिसके लिए तत्काल कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि क्षेत्र में

पिछली और हाल की हिंसक घटनाएं आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई नहीं थीं बल्कि मुस्लिम समुदाय द्वारा हिंदू समुदाय पर सीधा हमला था। उन्होंने आगे कहा कि यह भारत और आतंकवादियों के बीच युद्ध नहीं है बल्कि हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच युद्ध है। ये बयान न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है बल्कि सांप्रदायिक घृणा और अशांति को भड़का रहा है। इस तरह की बयानबाजी बेहद पहले से ही संवेदनशील क्षेत्र में शांति को भंग कर सकता है। वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है- बीजेपी इस बीच गजय सिंह राणा ने कहा है कि वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने कहा, वीडियो 19 जून 2024 का है, जब मैंने चपनारी नरसंहार के शहीदों की सालगिरह पर अपना भाषण दिया था। एनसी ने अपने एजेंडे के तहत वीडियो से मेरे भाषण का एक चुनिंदा हिस्सा उठाया है। हमारे पास पूरा वीडियो है। उन्होंने आगे कहा, 19 जून 1998 को आतंकवादियों ने चपनारी में दो बारातों पर हमला किया था। बंदूक की नोक पर बारातियों को वाहनों से उतरने के लिए कहा गया और उनसे उनके नाम पूछे गए। मुसलमानों को छोड़ दिया गया, 28 हिंदुओं को गोली मार दी गई। उन्होंने कहा कि एनसी हार के डर से ऐसी रणनीति का सहारा ले रही है। इस बीच बीजेपी की स्थानीय इकाई के प्रमुख रविंदर रैना ने कहा, यह एक फर्जी, मनगढ़ंत और पुराना वीडियो है। डोडा ईस्ट में पहले चरण में 18 सितंबर को होना है मतदान सरथल हत्याकांड 14 अगस्त 1993 को हुआ था जिसमें 17 लोगों की जान चली गई। आतंकवादियों ने एक स्थानीय बस को हाईजैक कर लिया था। वहीं आतंकवादियों ने 5 जनवरी 1996 को बरशल्ला में 16 लोगों और 1990 के दशक में कामलारी में आठ लोगों की हत्या की थी।

मुचोवा ने दो बार की विजेता ओसाका को दूसरे दौर में किया बाहर

यूएस ओपन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। चेक खिलाड़ी कैरोलिना मुचोवा ने दो बार की चैंपियन नाओमी ओसाका के यूएस ओपन अभियान को दूसरे दौर में 6-3, 7-6(5) से जीत के साथ समाप्त कर दिया और तीसरे दौर में पहुंच गईं। मुचोवा की प्रतिद्वंद्वी 38वें नंबर की अनस्तासिया पोटापोवा हैं, जिन्होंने पहले दौर में 2021 यूएस ओपन फाइनलिस्ट लेयला फर्नांडीज को हराया, साथ ही दूसरे दौर में 199वें नंबर की अमेरिकी वरवारा लेपचेंको को हराया।

ओसाका ने अपने विशिष्ट फॉर्म के साथ मैच की शुरुआत की और आसानी से सर्विस बरकरार रखी। मुचोवा ने अपनी पहली ही सर्व के पीछे नेट पर आक्रमण किया। ओसाका को पहला ब्रेक मौका तीसरे गेम में मिला जब उसकी प्रतिद्वंद्वी 1-2 पर सर्विस कर रही थी। वह कन्वर्ट करने में कामयाब नहीं हुई, लेकिन उसने अपना अगला सर्विस गेम लव में जीत लिया। पहले सेट के बीच में, जब ओसाका 3-3 पर सर्विस कर रही थी, मुचोवा ने एक सफल नेट चार्ज और उसके बाद एक आश्चर्यजनक ड्रॉप शॉट मारकर उसकी सर्विस तोड़ दी। उस गति को आगे बढ़ाते हुए, मुचोवा ने तुरंत सर्विस बरकरार रखी और 5-3 से आगे हो गई। ओसाका की सर्विस दोबारा तोड़कर मुचोवा ने 6-3 से सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट की शुरुआत में, मुचोवा ने अपने 10 नेट पॉइंट में से सात जीते, 15 विनर और छह एस लगाए। 3-3 से बराबरी पर, ओसाका के आँकड़े ठोस थे, केवल तीन नेट अंक (छह में से) जीते , नौ विनर और चार एस लगाए। फिर, 4-4 से बराबरी पर, जापानी खिलाड़ी ने अपने खेल की शैली को बदलते हुए, बड़े, बोल्ड शॉट्स की ओर रुख किया। मुचोवा, जो सर्विस कर रही थी, ने लगातार दो वॉली फेंकी, जिससे उसकी प्रतिद्वंद्वी को दो ब्रेक प्वाइंट मिले। ओसाका ने दूसरा पकड़ लिया और खुद को 5-4 पर सर्विस करते हुए पाया।5-6 पर फिर से सर्विस करते हुए ओसाका ने गेम जीत लिया। इसलिए टाईब्रेक से सेट का फैसला होगा और मुचोवा ने सर्व और वॉली से इसकी शुरुआत की। ओसाका ने कुछ जबरदस्त फोरहैंड लगाकर स्कोर 4-2 कर दिया, लेकिन फिर डबल फॉल्ट कर दिया।

6-4 पर, मुचोवा ने अपना पहला मैच पॉइंट अर्जित करने के लिए एक अविश्वसनीय पासिंग शॉट मारा। ओसाका बच गई लेकिन अगले ही अंक पर हार गई और मुचोवा ने सेट 7-6(5) से जीतकर मैच अपने नाम किया।

संक्षिप्त समाचार

अल्काराज दूसरे राउंड में हारकर यूएस ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी और पूर्व चैंपियन कार्लोस अल्काराज गुरुवार देर रात यूएस ओपन के राउंड 2 में डच खिलाड़ी बॉटिक वान डी जैंडस्कूल्प के हाथों अप्रत्याशित हार झेलकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। 21 वर्षीय अल्काराज की दुनिया के 74वें नंबर के डचमैन से 6-1, 7-5, 6-4 से हार लगातार चार साल के फ्लशिंग प्रदर्शन में उनका सबसे खराब प्रदर्शन था क्योंकि इसने ग्रैंड स्लैम स्पर्धाओं में स्पैनियार्ड की 15 मैचों की जीत का सिलसिला तोड़ दिया।

विंबलडन 2021 के बाद से अल्काराज को किसी मेजर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहली हार का सामना करना पड़ा। विंबलडन 2021 में तत्कालीन विश्व नंबर 75 अल्काराज दूसरे वरीय दानिल मेदवेदेव से हार गए थे। 15 बार के टूर-स्तरीय टाइटललिस्ट ने 27 अप्रत्याशित गलतियाँ कीं, जिनमें से 12 उसके फोरहैंड पर आईं, कई बड़ी दूरी से चूक गईं। शुरुआती सेट के दूसरे गेम में, खिलाड़ी दो लंबी रैलियों में लगे रहे, जिसमें कई नेट रश, चक्करदार लोब और यहां तक कि एक ट्विनर भी शामिल था। वान डी जैंडस्कूल्प ने अल्काराज की सर्विस पर अपने पहले ब्रेक प्वाइंट का फायदा उठाया, ब्रेक को मजबूत किया और तेजी से 4-1 की बढ़त ले ली। वान डी जैंडस्कूल्प ने अपना धैर्य बनाए रखा और पहला सेट 6-1 से जीत लिया। अल्काराज ने दूसरे सेट की शुरुआत करने के लिए अपनी सर्विस बरकरार रखी।

न्यूजीलैंड की डिवाइन महिला विश्व कप के बाद टी20 कप्तानी छोड़ेंगी

ऑकलैंड, एजेंसी। सोफी डिवाइन अपने काम के बोझ को संतुलित करने के लिए अक्टूबर में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के समापन के बाद टी20 कप्तान का पद छोड़ देंगी। हालांकि, न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने शुक्रवार को कहा कि वह वनडे टीम की कमान संभालेंगी।

34 वर्षीय खिलाड़ी ने 56 टी20 में न्यूजीलैंड की महिलाओं का नेतृत्व किया है, जिसमें 25 जीत, 28 हार, 1 टाई शामिल है, एमी सैटरथवेट की जगह दोनों प्रारूपों में स्थायी भूमिका संभालने से पहले 2014-15 में कुछ मैचों में पहली बार टीम की कप्तानी की। मुझे दोनों प्रारूपों में व्हाइट फर्न्स की कप्तानी करने का सौभाग्य मिलने पर बहुत गर्व है।

कप्तानी के साथ एक अतिरिक्त कार्यभार भी आता है, जिसे निभाने में मुझे आनंद तो आता है, लेकिन कई बार यह चुनौतीपूर्ण भी हो जाता है। एनजेडसी ने डिवाइन के हवाले से कहा, टी20 कप्तानी से हटने से मेरी जिम्मेदारी थोड़ी कम हो जाएगी, इसलिए मैं अपनी भूमिका निभाने और भविष्य के कप्तानों को तैयार करने पर अपनी अधिक ऊर्जा केंद्रित कर सकती हूं। एनजेडसी ने कहा कि टी20 कप्तान के रूप में डिवाइन का स्थान कौन लेगा, इस पर निर्णय उचित समय पर किया जाएगा। पैर की चोट के पुनर्वास के लिए डिवाइन फिलहाल आराम की अवधि ले रही हैं।

टीम इंडिया के लिए तीनों फॉर्मेट में खेला, फिर भी 10 मैच में ही खत्म हो गया करियर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में ऐसे कई क्रिकेटर रहे जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में बड़ा नाम कमाया, लेकिन इंटरनेशनल स्तर वो ज्यादा कमाल नहीं कर सके. इनमें से ही एक नाम है एस बद्रीनाथ. उन्होंने साल 2000 में घरेलू क्रिकेट में कदम रखा था. उसके बाद से ही वो एक बड़ा चेहरा रहे. तमिलनाडु के लिए खेलने वाले इस बल्लेबाज ने अपने फर्स्ट क्लास के करियर में 54 की औसत से 10 हजार से भी ज्यादा रन बनाए थे. हालांकि, भारत के लिए खेलते हुए उनका इंटरनेशनल करियर बहुत छोटा रहा. वो टीम इंडिया के लिए केवल 10 मैच ही खेल सके. 30 अगस्त को उनका जन्मदिन है. इस मौके पर आइये जानते हैं इस शानदार क्रिकेटर की कहानी.

फर्स्ट क्लास में धमाल

एस बद्रीनाथ ने साल 2000 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने शुरू किया था. उन्हें सॉलिड बैटिंग टेक्निक के लिए जाना जाता था. बद्रीनाथ फर्स्ट क्लास के शुरुआती 4-5 सालों में ज्यादा कमाल नहीं कर सके, लेकिन 2005-06 के सीजन से उन्होंने लगातार रन बनाना शुरू किया. इस सीजन में उन्होंने 80 की औसत से 636 रन ठोक दिए थे. 2006-07 के सीजन में 50 की औसत से 436 रन और 2007-08 के सीजन में 65 की औसत से 659 रन बनाए थे. बद्रीनाथ घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे थे, जिसका फल उन्हें मिला. पहले 2007 में इंडिया और 2008 में भारतीय टीम में जगह मिली.

3 साल का करियर

एस बद्रीनाथ भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू किया लेकिन उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं रहा. उन्होंने टीम इंडिया के लिए 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच से इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी. इस फॉर्मेट में वो केवल 7 मैच ही खेल सके, जिसमें उन्होंने महज 79 रन बनाए. इस दौरान उनका सर्वाधिक स्कोर 27 रन रहा था. बद्रीनाथ ने

2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू भी किया, लेकिन महज 2 टेस्ट के बाद इसका भी अंत हो गया. 2 टेस्ट की 3 पारियों में उन्होंने 1 अर्धशतक की मदद से 63 रन बनाए. इसके अलावा उन्होंने इकलौता टी20 मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ 2011 में खेला, जिसमें 43 रन बनाए थे. 2008 में इंटरनेशनल करियर शुरुआत करने वाले बद्रीनाथ ने 2011 में टीम इंडिया के लिए आखिरी मैच खेला था.

एस बद्रीनाथ ने 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से आईपीएल खेलना शुरू किया था. 6 सीजन यानी 2013 आईपीएल खेलने के बाद उन्होंने रिटायरमेंट ले लिया. इस दौरान उन्होंने 95 मैच में 118 की स्ट्राइक रेट से 1441 रन बनाए थे. वहीं धोनी की कप्तानी में 2010 और 2011 में ट्रॉफी जीतने में भी कामयाब रहे. बद्रीनाथ ने आईपीएल में सीएसके के अलावा कभी भी किसी और टीम का रुख नहीं किया. इस दौरान उन्हें पहले तीन सीजन में 12 लाख रुपए की सैलरी मिली.

लॉर्ड्स टेस्ट में जो रूट ने लगाया शतक

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बने

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। गुरुवार को श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। पहले दिन इंग्लैंड से जो रूट ने अपने करियर का 33वां शतक लगा दिया। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने 7 विकेट खोकर 358 रन बना लिए। टीम से गस एटकिंसन फिफ्टी बनाकर मैथ्यू पॉट्स के साथ नॉटआउट रहे। श्रीलंका से मिलन रत्नायके, असिथा फर्नांडो और लहिरु कुमारा ने 2-2 विकेट लिए।

रूट इंग्लैंड में टॉप रन स्कोरर बने

जो रूट ने पारी में 13वां रन लेते ही इंग्लैंड में 6500 टेस्ट रन पूरे कर लिए। वह अपना 77वां टेस्ट खेल रहे हैं और 134वीं पारी में ही उन्होंने 6500 रन पूरे कर लिए। रूट ने फिर अपने टेस्ट करियर की 33वीं सेंचुरी लगाकर इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी हासिल कर लिया।

रूट से पहले पूर्व इंग्लिश कप्तान एलेस्टेयर कुक ने 89 टेस्ट में 6568 रन बनाए थे। रूट के नाम अब 6629 रन हो चुके हैं। रूट के नाम इंग्लैंड में सबसे ज्यादा 20 टेस्ट शतक भी हैं। उनके बाद कुक, इयन बेल, ग्राहम गूच और केविन पीटरसन ने इंग्लैंड में 15-15 सेंचुरी लगाई हैं। रूट और कुक दोनों के नाम इंग्लैंड में 32-32 फिफ्टी हैं।

जो रूट ने पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 62 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी।

कुक के बराबर सेंचुरी भी लगाई

रूट ने श्रीलंका के खिलाफ शतक पूरा करते ही अपने टेस्ट करियर की 33वीं सेंचुरी लगा दी। इस मामले में उन्होंने कुक की ही बराबरी की, जिनके नाम 33 शतक ही हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा टेस्ट शतक के रिकॉर्ड में उनसे आगे अब भी 9 बैटर्स हैं। सचिन तेंदुलकर 51 सेंचुरी लगाकर इस मामले में टॉप पर हैं।

सूर्यकुमार यादव के टी20 वर्ल्ड कप कैच पर फिर छिड़ा विवाद, अब इस अफ्रीकी स्टार ने उठाई आवाज

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीता था. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टूर्नामेंट के फाइनल में सूर्यकुमार यादव ने एक शानदार कैच पकड़कर सारा खेल ही बदल दिया था. सूर्या ने मुकाबले के आखिरी ओवर में अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज डेविड मिलर का लॉन्ग ऑफ पर कैच लपका था, जब अफ्रीका को जीत के लिए 1 ओवर में सिर्फ 16 रनों की दरकार थी. इस कैच पर बाद में काफी विवाद देखने को मिला था. अब दक्षिण अफ्रीका के स्टार ने इस कैच पर अवाजा उठाते हुए नया विवाद खड़ा कर दिया.

दरअसल अफ्रीका के स्टार स्पिनर तबरेज शम्सी ने सोशल मीडिया के जरिए सूर्या के कैच को लेकर बात की. शम्सी ने एक वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, अगर उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में कैच की जांच के लिए इस तरीके का इस्तेमाल किया होता तो शायद इसे नॉट आउट दिया जाता.

शम्सी ने जो वीडियो शेयर की, उसमें कुछ लोग लोकल क्रिकेट मैच खेलते हुए दिख रहे हैं. मैच में बाउंड्री लाइन पर एक कैच पकड़े जाने के बाद उसे अलग-अलग तरीकों से नापा जाता है.

शम्सी की पोस्ट वायरल होते ही लोग उन्हें ट्रोल करने लगे, जिसके बाद अफ्रीकी स्टार ने सफाई पेश करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक जोक था. उन्होंने सफाई देते हुए लिखा, अगर कुछ लोग यह नहीं समझते हैं कि यह एक मजाक है और कोई रो नहीं रहा है.

भारत का चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आना तय

सरहद पार से हुए बड़ा दावा!

नईदिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में खेली जानी है. लंबे वक़्त बाद टूर्नामेंट की वापसी हो रही है. टूर्नामेंट 19 फरवरी से 09 मार्च के बीच पाकिस्तान में खेला जाएगा. हालांकि टीम इंडिया टूर्नामेंट के लिए पाकिसतान का दौरा करेगी या नहीं, यह अभी एक सवाल बना हुआ है.

इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी राशिद लतीफ की तरफ से दावा करते हुए कहा गया कि टीम इंडिया का पाकिस्तान आना 50 फीसद तय हो गया. राशित लतीफ ने जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने के बाद यह दावा किया. उन्होंने कहा कि जय शाह को आईसीसी चेयरमैन बनने में पाकिस्तान का भी सपोर्ट मिला है. अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए राशिद लतीफ ने कहा, अगर जय शाह निर्विरोध चुने गए हैं, तो इसका मतलब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी सपोर्ट किया है. उन्होंने आगे कहा, 50 फीसद पक्का हो गया है कि टीम इंडिया पाकिस्तान आ रही है.

सुरेश रैना ने बताई बड़ी वजह

एमएस धोनी को IPL 2025 में खेलना चाहिए

नईदिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना चाहते हैं कि एमएस धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खेलें क्योंकि टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में उनकी बल्लेबाजी शानदार रही थी। आईपीएल 2024 के ओपनर मुकाबले से पहले कप्तानी छोड़ने वाले धोनी को आईपीएल 2024 में फिनिशर के तौर पर खेला गया था, जहां उन्होंने 14 मैचों में 220.25 की स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए थे और उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 37 रन था।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2024 के ओपनर मुकाबले से पहले रुतुराज गायकवाड़ को चेन्नई स्थित फ्रेंचाइजी का नया कप्तान नियुक्त किया गया था। रैना ने स्पोर्ट्स तक से कहा, मैं चाहता हूं कि एमएस धोनी आईपीएल 2025 में खेलें, क्योंकि पिछले साल उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की थी। मुझे लगता है कि रुतुराज गायकवाड़ को एक और साल की जरूरत है, जिस तरह से उन्होंने कप्तानी की और आरसीबी से हार के बाद बहुत सी बातें कही गईं। हालांकि, रुतुराज ने शानदार प्रदर्शन किया है।

आईपीएल 2024 में सीएसके की हार के बाद कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि बतौर खिलाड़ी एमएस धोनी का यह आखिरी आईपीएल होगा, लेकिन भारत के पूर्व कप्तान ने अभी तक कुछ भी नहीं कहा है। इस महीने की शुरुआत में हैदराबाद में एक कार्यक्रम में धोनी ने कहा था कि नए नियमों और विनियमों की घोषणा के बाद वह अपने आईपीएल करियर पर फैसला लेंगे। उन्होंने कहा, इसके लिए अभी बहुत समय है।

हमें देखना होगा कि वे खिलाड़ी को बनाए रखने आदि पर क्या निर्णय लेते हैं। अभी गेंद हमारे पाले में नहीं है। इसलिए, एक बार नियम और विनियम औपचारिक हो जाने के बाद मैं फैसला लूंगा, लेकिन यह टीम के सर्वोत्तम हित में होना चाहिए।

17 साल की शीतल देवी का शानदार डेब्यू, एक दिन में 2 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर जगाई गोल्ड की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की 17 साल की तीरंदाज शीतल देवी ने गुरुवार को पैरालंपिक खेलों में डेब्यू किया। एशियन गेम्स में देश के लिए गोल्ड जीतने वाली शीतल देवी से पैरालंपिक में भी गोल्ड मेडल की ही उम्मीदें हैं। बिना हाथ वाली इस तीरंदाज ने पहले ही दिन खुद को एक नहीं दो-दो गोल्ड मेडल का दावेदार साबित कर दिया।

शीतल देवी का रैंकिंग राउंड में कमाल

शीतल देवी कंपाउंड आर्चरी के रैंकिंग राउंड में उतरी। इसी राउंड के आधार पर ड्रॉ तय होते हैं। शीतल देवी ने रैंकिंग राउंड में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने 720 में से 703 अंक हासिल किए। 59 बार उनका लक्ष्य 10 पर लगा वहीं 29 बार लक्ष्य एक्स पर लगा।

शीतल देवी ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटा

शीतल देवी ने 703 अंक हासिल करके वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया था। 2021 में टोक्यो में ब्रिटेन की स्टेटन जेसिका ने 694 अंक हासिल कर पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाया था। शीतल देवी ने 703 से के साथ यह रिकॉर्ड तोड़ा। हालांकि इसी के कुछ समय बाद रैंकिंग राउंड में ही तुर्की की ओज्जुर ने 704 अंक हासिल किए और शीतल देवी का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिए।

दूसरे स्थान पर रहने के कारण शीतल देवी ने सीधा राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालिफाई किया। उन्हें शुरुआती राउंड खेलने की जरूरत नहीं होगी। भारत की सरिता नौवें स्थान पर रहीं। इसी कारण शीतल देवी ने मिक्स्ड टीम के लिए क्वालिफाई किया। शीतल देवी मिक्स्ड टीम में राकेश कुमार के साथ उतरेंगी। शीतल देवी और राकेश कुमार ने वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। मिक्स्ड टीम की रैंकिंग के लिए हर देश के सर्वश्रेष्ठ महिला और पुरुष तीरंदाज के स्कोर जोड़ा जाता है।

देवेंद्रनगर में रीजनल मैनेजर दिग्विजय सिंह के मुख्य आतिथ्य में

ग्राहक बैंक संवाद कार्यक्रम हुआ संपन्न

देवेन्द्रनगर। भारतीय स्टेट बैंक अपनी कमजोरी कार्य शैली के कारण अपनी साख खोता जा रहा था एवम बैंक की ग्रोथ भी स्थिर हो चुकी थी जिससे ग्राहकों का भारतीय स्टेट बैंक से मोह भंग हो रहा था और वह अन्य बैंकों की तरफ रुख कर रहे थे जिसको देखते हुए सतना एसबीआई के रीजनल मैनेजर दिग्विजय सिंह द्वारा देवेंद्र नगर के क्षेत्रीय व्यापारी कृषक कर्मचारीयो को बुलाकर बहु प्रतीक्षित नवनिर्मित भवन में ग्राहकों से समस्या जानने हेतु बैंक एवं ग्राहक संवाद कार्यक्रम रखा गया जिसमें स्थानीय व्यापारियों और कृषकों द्वारा विभिन्न तरह की समस्याएं सामने रखी गई जैसे लोन में होने वाली प्रक्रियाओं का जटिल होना एवं कैश की कमी और कैश निकासी और डिपाजिट में लगने वाला समय कियोस्क सेंटर में अनधिकृत रूप से लिए जाने वाली राशि एवं सबसे बड़ी समस्या जो सामने निकाल कर आई वह बैंक प्रबंधन के

ग्राहकों ने रखी अपनी समस्याएं

कर्मचारियों द्वारा ग्राहकों से अच्छा व्यवहार न करना जिसको लेकर के रीजनल मैनेजर दिग्विजय सिंह काफी संजीदा दिखे उन्होंने सारी समस्याओं को लिखा एवं उसके सात दिवस के अंतर्गत निराकरण का आश्वासन दिया इस दौरान विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉक्टर अभिषेक जैन सीबीएमओ पन्ना तहसीलदार प्रतिनिधि के तौर पर सदर पटवारी सुरेंद्र वर्मा व्यापार मंडल देवेंद्र नगर के उपाध्यक्ष सीरीश अग्रवाल पूर्व विधायक शिवदयाल बागरी वा बैंक प्रबंधन के समस्त कर्मचारी सहित व्यापारी कर्मचारी और किसान उपस्थित रहे बैंक प्रबंधन द्वारा आए हुए सभी मेहमानों को डायरी और पैन भेट की गई वही मंचासीन आगंतुक अतिथियों को पौधे स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किए गए रीजनल मैनेजर दिग्विजय सिंह द्वारा सभी आए हुए ग्राहकों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं आने वाले समय में इस तरह के कार्यक्रम हमेशा होते रहेंगे इस बात का आश्वासन भी दिया गया

इनका कहना है

इस संवाद कार्यक्रम से बहुत सारी समस्याएं और सुझाव सामने आए हैं कम से कम समय में निराकृत कर संस्था और ग्राहक के बीच बेहतर तालमेल बनाने का प्रयास किया जाएगा।

दिग्विजय सिंह क्षेत्रीय प्रबंधक सतना

लोन की प्रक्रिया में लगने वाला समय बैंक प्रबंधन की सबसे बड़ी खामी है जिसे सुधारा जाना चाहिए और इस तरह के संवाद बैंक ग्राहक संवाद कार्यक्रम प्रति 6 माह में आयोजित किया जाना चाहिए।

एमएल विश्वकर्मा

मैंने कियोस्क केंद्र द्वारा की जाने वाली अवैध वसूली की शिकायत की बात इस संवाद के माध्यम से रखी है उम्मीद है कि बैंक प्रबंधन इसमें कड़ा रुख अपनायगी।

देवी दीन वर्मा (आशु)
जिला पंचायत सदस्य

शिक्षक दिवस के मौके पर होंगी शैक्षिक संगोष्ठी

पन्ना। शिक्षक दिवस के आयोजन के मौके पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा नवीन शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में प्रौद्योगिकी का उपयोग और आनंदमयी शिक्षण विषय पर विकासखंड स्तरीय शैक्षिक संगोष्ठी होगी। इसी श्रृंखला में जिला स्तरीय संगोष्ठी में प्रारंभिक शिक्षा के लिये प्राथमिक विद्यालयों की आवश्यकता तथा योगदान विषय पर संगोष्ठी होगी। राज्य स्तर पर होने वाली संगोष्ठी में भारतीय परिदृष्य में रोजगारोन्मुखी शिक्षा की आवश्यकता तथा महत्व विषय पर चर्चा होगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को इन संगोष्ठियों में अधिक से अधिक सहभागिता किये जाने के निर्देश दिये हैं। संगोष्ठी 4 सितम्बर को होंगी।

आज मनाया जाएगा विमुक्ति दिवस

पन्ना। सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार 31 अगस्त का दिन सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में विमुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाएगा। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा इस मौके पर विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति समुदाय के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर में गाजे बाजे के साथ निकाली गई कृष्ण बलराम की शोभायात्रा

समाज की प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

पवई। विगत वर्ष भांति पन्ना जिले के साथ ही पवई में समस्त यादव समाज पवई के तत्वाधान में नगर में श्री कृष्ण बलराम जी की विशाल शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। सर्वप्रथम स्थानीय जगदीश स्वामी मंदिर में भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया,तत्पश्चात जगदीश स्वामी मंदिर से ही विशाल शोभायात्रा नगर के लिए निकली,जो नगर के मुख्य स्थल गांधी चौक,झंडा बाजार कन्या शाला, मोहन्द्रा तिराहा मिलौनीगंज,बस स्टैंड से होते हुए पुन: स्थानीय जगदीश स्वामी मंदिर में सम्पन्न हुई। शोभा यात्रा का जगह-जगह लोगों के द्वारा आरती पूजा कर सम्मान किया गया द्य शोभायात्रा में मुख्य आकर्षण का केंद्र श्री कृष्ण और राधा जी की सुंदर झांकी रही जिसमें भगवान श्री जी के साथ सुंदर-सुंदर गीतों पर मनमोहक नृत्य करती हुई दिखाई गई। इस शोभायात्रा में जिले ही नहीं अन्य जिलों से आए हुए यादव समाज के सम्मानित एवं प्रतिष्ठित

व्यक्तियों के द्वारा उद्बोधन दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संतोष सिंह यादव जिला पंचायत उपाध्यक्ष, रविराज सिंह यादव पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत पन्ना, रविशंकर यादव आबकारी ठेकेदार दमोह, लक्ष्मी यादव जिलाध्यक्ष यादव समाज पन्ना, मनीष यादव गुनौर आदि रहे साथ ही कार्यक्रम मे मुख्य. रूप से रामकृपाल यादव एडवोकेट , पंचम सिंह यादव पूर्व सरपंच मोहड़िया, महेन्द्र यादव , शिवराज सिंह यादव , कमल सिंह यादव , दुर्जन सिंह यादव , बुद्ध सिंह यादव , बी एस यादव आदि रहे। इस दौरान यादव समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में यादव समाज के साथ अन्य समाज के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

केयर कम्पेनियन प्रोग्राम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

शहडोल। सिविल सर्जन डॉ जीएस परिहार ने जानकारी दी है कि आज जिला अस्पताल में केयर कम्पेनियन प्रोग्राम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में बताया गया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश का एक अनूठा प्रयास है जिसमे सहयोगी संस्था नूरा हेल्थ द्वारा इस कार्यक्रम को आवश्यक तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा हैं, कम्पैनियन का अर्थ हैं साथी इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में भर्ती रोगियों के साथ आने वाले परिजनों को स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करना है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के विषय में जागरूक किया जाता है, जिससे वे स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इस कार्यक्रम के माध्यम से अस्पताल आने वाले गर्भवती/प्रसूती महिला एवं उनके परिजनो को विविध टूल्स के माध्यम से स्वस्थ्य शिक्षा के बारे में जानकारी दी जा रही है, इसके साथ ही एक निशुल्क मोबाइल स्वास्थ सेवा के उपयोग के बारे मे भी बताया जा रहा है, जिसके कारण समुदाय मैं भी आवश्यक स्वस्थ सम्बन्धित जागरूकता बढ़ेगी। नूरा हेल्थ के तकनीकी सहयोग से जिला अस्पताल शहडोल द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में नर्सिंग अधिकारियों के कौशलवर्धन के माध्यम से केयर कम्पेनियन प्रोग्राम के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया हैं, जिससे वे भविष्य में इस कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक परिजनों को प्रभावी ढंग से स्वस्थ शिक्षा के बारे में प्रशिक्षित कर सकें।

उच्च विचार समर्पित सेवा भाव के धनी पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री का प्रथम आगमन

पन्ना। पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार कैबिनेट मंत्री उच्च शिक्षा तकनीकि शिक्षा एवं आयुष विभाग मध्यप्रदेश शासन जिन्हें पन्ना व बड़वानी जिले के प्रभारी मंत्री के रूप में प्रभार दिये गये है। प्रभारी मंत्री के नियुक्त होने के बाद पन्ना प्रथम बार आगमन हो रहा है। जैसा कि सभी जानते है कि श्री परमार सरल-सहज एवं नैतिक मूल्यों पर चलने वाले सिद्धांतवादी व्यक्तित्व के वाहक है। और ऐसे व्यक्तित्व को पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री बनाये जाने व पन्ना प्रथम आगमन से जिले की जनता व जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं में उत्साह प्रसन्नता व विकास को लेकर पूर्ण आशा है। श्री परमार मूलत: शाजापुर जिले के निवासी है। तथा शुजालपुर से तीन बार के विधायक है। जोकि लगभग 1980 से विद्यार्थी परिषद के सक्रिय कार्यकर्ता होकर मालवा क्षेत्र में विभिन्न संगठन पदों पर आसीन होकर पूर्णकालीक सेवा कार्य मे लगे रहे है। यही कारण है कि उन्हें मात्र दूसरे विधायकी कार्यकाल में ही स्कूल शिक्षा मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया। और स्कूल शिक्षा में जिस प्रकार से उनके द्वारा प्रदेश में कार्यप्रणाली के माध्यम से अंजाम दिया गया उनके परिणाम को देखते हुए उसी आधार पर उन्हें वर्तमान भाजपा सरकार ने पदोन्नति के तौर पर कैबिनेट मंत्री बनाते हुए पुन: शिक्षा संबधी विभागों का मंत्री बनाया गया। श्री परमार के पन्ना जिले का प्रभारी मंत्री बनाया जाना

जिले के लिए गौरव की बात मानी जा रही है। एवं आपसे अपेक्षा की जा रही है कि सख्त अनुशासन निष्पक्षता व सकरात्मक सोच रखने वाले पन्ना जिला के प्रभारी मंत्री बनने से निश्चितौर पर पन्ना जिले को एक विकास की दृष्टि से नया आयाम व नया मुकाम प्राप्त होगा। गौरतलब बात यह है कि उच्च शिक्षा वहीं तकनीकि शिक्षा साथ-साथ आयुष विभाग से पन्ना का भविष्य स्वर्णिम कार्यकाल को लेकर यह समय साबित होगा। शिक्षा से ही विकास की दिशा आरंभ होती है। वहीं तकनीकि शिक्षा जिसके माध्यम से समूचे प्रदेश में युवाओं को रोजगार की दिशा तय होती है वहीं आयुष विभाग पन्ना जैसे जिले में जहां जो सपने सदियों से सजोये गये सायद वह समय आ गया। अब पूर्ण सपने होकर होगें साकार। पन्ना के लिए आपका प्रभारी मंत्री बनाया जाना ही विकास को लेकर एक बड़ी उम्मीद तय हो चुकी है। जो विकास की परिणित दिशा तय करते हुए सफल आयाम के रूप में साबित होगी।

विद्यालयों में संविधान सब्जेक्ट शामिल करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

पन्ना। आदर्श कल्याण समिति पन्ना के तत्वधान में एवं जिला अध्यक्ष शैलेष विश्वकर्मा एडवोकेट के नेतत्व में पन्ना कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंप कर प्रत्येक शासकीय गैर शासकीय एवं अर्ध शासकीय विद्यालयों में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का प्रार्थना के समय गायन करवाने एवं भारतीय संविधान को स्कूली विद्यार्थियों के सिलेबस में प्रथक विषय के रूप में संयोजित कर विस्तृत रूप से अध्यापन की कार्य प्रणाली को संचालित कराने स्पष्ट नियमावली बनाकर विनियमित/अधिनियमित करने की मांग उठाई गई है। श्री विष्वकर्मा ने बताया कि हर भारतीय नागरिक को भारतीय संविधान की जानकारी होनी चाहिए और यह तभी संभव होगा जब संविधान सब्जेक्ट के रुप में षामिल कर स्कूलों में पढ़ाया जाएगा। ज्ञापन के दौरान संस्था के जिला अध्यक्ष शैलेष विश्वकर्मा एडवोकेट, उपाध्यक्ष शालिनी विश्वकर्मा, सचिव सौरभ ओमरे, कोषाध्यक्ष संगीता विश्वकर्मा, संयुक्त सचिव सोनेलाल प्रजापति एडवोकेट, कार्यकारिणी सदस्य नंदकिशोर अहिरवार एडवोकेट एवं अन्य सदस्यगण व अधिवक्तागण एवं समाजसेवी स्वामी प्रसाद जडिया, कैलाश कुमार अहिरवार एडवोकेट, दीपिका सिंह राजपूत, शुभम वर्मा, संगीता पटेल, शिवम खरे सहित काफी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आम जनता को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से समय पर मिले

वहीं किसान व आम आदमी की समस्याओं का निदान पंचायत स्तर पर ही हो रहा संभव

पन्ना

पन्ना जिला कलेक्टर सुरेश कुमार की कार्यप्रणाली चाहे टीएल बैठक हो या फिर मंगलवार के दिन जनसुनवाई के हालात मध्यप्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा तो कियान्वयन को लेकर की ही जा रही है। वहीं जिले में इस समय जहां संचालित राजस्व महाअभियान 2.0 की

कार्यप्रणाली गतिविधियां जो राजस्व अधिकारियों द्वारा जमीनी स्तर पर अंजाम तक पहुंचाया जा रहा है। वह सायद पहली बार नजर आ रहा है। कलेक्टर सुरेश कुमार की सोच जहां आम जनता को जनहितकारी योजनाओं का लाभ समय पर तय हो वहीं उनकी समस्याओं का निदान पंचायत स्तर पर संभव हो सके। साथ ही किसानों की सदियों की समस्या सुलझ रही है। सीमांकन हो या तरमीन राजस्व महाअभियान के तहत किसानों की जमीन केवाईसी कराकर किसानों का जमीनी मालिकाना हक ऑनलाईन रिकार्ड कायम हो रहा है। वहीं रजस्व समस्याओं का समाधान भी हो रहा है। बेहतर कार्यप्रणाली की सराहना भी की जा रही है। आज भी इसी तरह से जमीनी स्तर पर जहां समस्याओं का निदान प्रत्येक मंगलवार को संभव होने लगा। तथा उचित मूल्यों की दुकानो से आम आदमी को हर माह मिलने वाला राशन नोडल अधिकारी की उपस्थिति में प्रदान कराया जाये यह उम्मीद आम जनता भी कर रही है। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सुशासन की राह आसान करने को लेकर कलेक्टर सुरेश कुमार की कार्यप्रणाली चर्चा में।

खंड एवं तहसील स्तरीय स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति का किया गया गठन

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में शहडोल जिले के क्षेत्र अंतर्गत स्थित सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं सुरक्षित वातावरण निर्मित करने हेतु खंड स्तरीय एवं तहसील स्तरीय स्वास्थ्य संस्थान समिति और हिंसा रोकथाम समिति का गठन किया गया है। खंड स्तरीय स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति में अध्यक्ष अनुविभागीय अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट, सदस्य अनुभाग्य अधिकारी पुलिस मुख्य नगर पालिका अधिकारी उन विभागीय अधिकारी लोक निर्माण उप संभाग, तथा सदस्य सचिव खंड चिकित्सा अधिकारी, वरिष्ठ महिला चिकित्सा अधिकारी एएनएम होंगे। इसी प्रकार तहसील स्तरीय स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति में अध्यक्ष तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट होंगे तथा सदस्य थाना प्रभारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, सचिव ग्राम पंचायत, महिला चिकित्सा अधिकारी तथा सदस्य/सचिव चिकित्सा अधिकारी होंगे।

कलेक्टर ने स्वीकृत की आर्थिक सहायता राशि

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह की अनुशंसा पर उपचार हेतु श्रीमती किरण गुप्ता पति श्री राजेंद्र गुप्ता निवासी वार्ड नंबर 28 पुरानी बस्ती शहडोल को 1 लाख रूपये, संसदीय क्षेत्र शहडोल की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह की अनुशंसा पर श्री नीरज कुमार कोरी पिता श्री अरुण दास कोरी निवासी सरकारी टोला धनपुरी जिला शहडोल को 40 हजार रुपए तथा विधायक ब्यौहारी श्री शरद कोल की अनुशंसा पर रोहित साहू पिता श्री राजेश साहू निवासी ग्राम चरका तहसील ब्यौहारी को उपचार हेतु 45 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि की स्वीकृति प्रदान की है।

जन्मदिन में भी विकासवादी सोच के चलते

विकास पुरूष के रूप में पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह की सोच की चर्चायें व्याप्त

पन्ना

पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह पन्ना से विधायक है पर आज भी उनकी सोच से यहां विकास के सपने ही सजाये जाते है। क्योंकि जिनकी दूरगामी सोच व बड़े विकास कार्यों तथा भविष्य को देखते हुए जिनकी दृष्टि कई बड़े विकास कार्यों से विकास पुरूष के रूप में परिलक्षित है। आज भले ही इस बार मंत्री के रूप में नहीं पर जिम्मेदारी को लेकर एक बड़ा ही दायित्व है पहले प्रदेश की जिम्मेदारी के साथ-साथ पन्ना जिले को विकास के आयाम तय हो रहे थे अब विधानसभा में तत्परता से राजनीति के रूप में जनप्रतिनिधि की सोच अपनी विधानसभा को प्रदेश में जहां विकास के माध्यम से अलग ही मुकाम तय होगा निश्चित ही जिनकी सोच ही विकास की साबित हो चुकी है। उनके जन्म दिन में भी उनकी कार्यप्रणाली की सराहना जनचर्चा में कई बार जहां सामने आती हो वह निश्चितौर पर आज चर्चा ही नहीं बल्कि मूल्यांकन है जनप्रतिनिधियों में जब बृजेन्द्र प्रताप सिंह की कार्यप्रणाली को परखा जाता है तो बड़ी सोच व विकास को लेकर ही जानी जाती है। निश्चित ही उनके जन्म दिन में शुभकामनाओं के साथ जहां विकास को लेकर विधानसभा में आज भी उम्मीदें सतत कायम है।

अमानत एवं शुल्क राशि निर्धारित

पन्ना। जिला चिकित्सालय की रोगी कल्याण समिति की गत दिवस संपन्न हुई बैठक में पारित निर्णय अनुसार मरीजों के लिए ऑक्सीजन सिलेण्डर, कंसनट्रेटर एवं फाउलर बेड के उपयोग के लिए अमानत राशि एवं शुल्क का निर्धारण किया गया है, जिसके तहत ऑक्सीजन सिलेण्डर की अमानत राशि दो हजार रूपए व प्रतिदिन शुल्क 100 रूपए, कंसनट्रेटर की अमानत राशि पांच हजार रूपए एवं प्रतिदिन शुल्क 200 रूपए तथा फाउलर बेड की अमानत राशि पांच हजार रूपए एवं प्रतिदिन शुल्क 200 रूपए प्रति मरीज उपलब्धतानुसार निर्धारित किया गया है। सिविल सर्जन डॉ. आलोक कुमार गुप्ता द्वारा अवगत कराया गया कि आगामी एक सितम्बर से प्रति मरीज के लिए उपकरण व सामग्री की अमानत राशि व शुल्क संबंधी आदेश प्रभावशील होगा। इस संबंध में जिला चिकित्सालय के स्टूवर्ड को सभी वार्ड प्रभारियों को अवगत कराने के लिए निर्देशित किया गया है।

गांजा की अवैध रूप से खेती करने वाले आरोपी को 04 वर्ष का कठोर कारावास एवं 25000रु. जुर्माना

पन्ना। कार्यालय जिला लोक अभियोजन अधिकारी पन्ना के सहा. मीडिया प्रभारी/सहा.जि.लोक अभि.अधि. रोहित गुप्ता के बताये अनुसार घटना संक्षेप में इस प्रकार है कि, दिनांक 14.09.2020 को उपनिरीक्षक अभिषेक पाण्डेय ने घटनास्थल पर इस आशय की देहाती नालसी लेख किया कि दिनांक 14.09.2020 को मुखबिर ने थाना सलेहा में सूचना दिया कि मिलन आदिवासी पिता छंगा आदिवासी निवासी बछौन अपने प्रधानमंत्री आवास से लगी हुई अपनी बारी में काफी मात्रा में हरे गांजा के पेड लगाये है स्वतंत्र गवाह हमाराह पुलिस बल के मय आवश्यक दस्तावेज सम्पूर्ण विवेचना सामग्री के मुखबिर के बताए अनुसार गांजा रेड कार्यवाही हेतु मिलन आदिवासी के प्रधानमंत्री आवास पहुंचकर मिलन आदिवासी संदेही के बारी व मकान की तलाशी ली गई। उक्त

कार्यवाही में संदेही की बारी के अन्दर काफी मात्रा में गांजा के पेड लगे मिले तलाशी पंचनामा व मादक पदार्थ गांजा के पेडो की बरामदगी का पंचनामा तैयार किया जाकर साक्षियों व हमराह बल से पहचान कराई जाने पर मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया, पहचान पंचनामा तैयार किया जाकर संदेही मिलन आदिवासी से मादक पदार्थ के गांजा के पौधे को लगाने उगाने के संबंध में वैध दस्तावेज कागजात पेश करने को कहा गया जो की दस्तावेज नही होना बताया। मादक पदार्थ गांजा के पेडो को उखडवाया जाकर गिनती कराई जाने पर छोटे बडे साढ़े छ: फुट तक की लम्बाई के 27 पेड पाये गये। जिनका कुल वजन 30 किलो 550 ग्राम पाये गये। आरोपी मिलन आदिवासी का कृत्य धारा 8/20बी एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत दण्डनीय अपराध पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा थाना सलेहा में अभियुक्त के विरूद्ध धारा 8/20 एनडी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई। विवेचना के दौरान सुसंगत साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किये गये। घटनास्थल का नक्शामौका तैयार किया गया। सम्पूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त के विरूद्ध धारा 8/20ख एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत इस न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है। माननीय श्रीमान इंद्रजीत रघुवंशी विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट के न्यायालय मे शासन की ओर से पैरवी करते हुए श्री सुनील कुमार द्विवेदी अपर जिला लोक अभियोजक द्वारा दौरान विचारण अभियोजन के साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लिपिबद्ध कराकर न्यायालय के समक्ष आरोपी के विरूद्ध आरोप को संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपी का कृत्य गंभीरतम होने के कारण उन्हे कठोर से कठोरतम सजा दिये जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्कों एवं न्यायिक दृष्टांतो से संतुष्ट होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी मिलन आदिवासी को धारा-8/20(क)(प) एनडीपीएस एक्ट में 04 वर्ष का कठोर कारावास एवं 25000 रूपए का अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, शनिवार 31 अगस्त 2024 | 8

उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि सभी को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो इसके लिये प्राथमिकता से चिकित्सा क्षेत्र में कार्य किये जा रहे हैं। आमजन को शिक्षा व चिकित्सा सुविधा मुहैया कराना हमारी प्राथमिकता में है।

बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है : उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने रीवा में अपोलो स्पेक्ट्रा हास्पिटल का किया शुभारंभ

रीवा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि सभी को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो इसके लिये प्राथमिकता से चिकित्सा क्षेत्र में कार्य किये जा रहे हैं। आमजन को शिक्षा व चिकित्सा सुविधा मुहैया कराना हमारी प्राथमिकता में है। उप मुख्यमंत्री ने रीवा में अपोलों स्पेक्ट्रा हास्पिटल का शुभारंभ किया।

अस्पताल के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा में शासकीय चिकित्सा संस्थानों के साथ ही निजी चिकित्सा संस्थान स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएँ दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपोलों अस्पताल का भारत में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अग्रणी नाम है वह उम्मीदों में खरा उतरें और रीवा एवं विन्ध्य के लोगों को अच्छी चिकित्सा सुविधा दें तथा पीड़ित मानवता की सेवा में सफल हों। उन्होंने कहा कि मुझे भी अपोलों अस्पताल के रीवा में शुरू होने का इंतजार था अब यहाँ के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। यह अस्पताल उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा देने में सक्षम होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा तेजी से बढ़ता हुआ शहर है। यहाँ प्रति व्यक्ति की आय में वृद्धि हुई है और लोग बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा ले रहे है। उन्होंने कहा कि रीवा जिले के लोगों के सम्पन्न होने और क्षमता वृद्धि तथा संसाधनों के विकसित होने से बडे से बड़े निवेश यहाँ आ रहे हैं। आने वाले 15 सितंबर को रीवा में हवाई जहाज भी उड़ान भरने लगेगा और रीवा के विकास में एक और उपलब्धि जुड़ जायेगी।

इससे पूर्व अपोलों समूह के सीईओ श्रीराम अय्यर ने कहा कि हमें प्रसन्नता है कि रीवा में अपोलों का अस्पताल खुल रहा है। हम उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ देने के लिये संकल्पित है। स्वागत उद्बोधन देते हुए अपोलो के रूपिंदर कौर ने बताया कि अपोलो का विन्ध्य में यह पहला अस्पताल है। अपोलो उम्मीदों पर हर स्तर पर खरा उतरेगा। इस दौरान डॉ. नीरज अग्रवाल ने कहा कि रीवा के लोगों के विश्वास में अपोलो अस्पताल खरा उतरेगा यहां पूरी पारर्शिता के साथ उपचार की सुविधा मिलेगी। डॉ. कीर्तिका अग्रवाल ने रीवा में हर क्षेत्र में हुए विकास व सौगातों के लिये उप मुख्यमंत्री जी को साधुवाद दिया तथा स्वस्थ्य, विकसित, उत्तम व स्वच्छ रीवा के उप मुख्यमंत्री जी की प्रतिबद्धता के साथ चलने का संकल्प लिया। आभार प्रदर्शन डॉ. विजय अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय सहित चिकित्सक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अपह्नता की सूचना देने वालों के लिए 20 हजार रुपए का ईनाम घोषित

रीवा। पुलिस उप महानिरीक्षक साकेत प्रकाश पाण्डेय ने थाना सिटी कोतवाली रीवा अन्तर्गत गड़रियान मोहल्ला निवासी अपह्ता सुनीता साकेत पति ओमप्रकाश साकेत एवं नैनी साकेत पिता ओमप्रकाश साकेत की सूचना देने वालों के लिए 20 हजार रुपए के ईनाम की घोषणा की है। यह घोषणा पुलिस रेग्युलेशन एक्ट के प्रावधानों के तहत की गई है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक रीवा द्वारा की गई ईनाम की घोषणा को निरस्त करते हुए 20 हजार के ईनाम की घोषणा की गई है। कोई भी व्यक्ति उक्त अपहाता की दस्तयाबी/पतासाजी करायेगा या करने में सहयोग करेगा उसे 20 हजार रूपये का नगद पुरस्कार दिया जायेगा। पुरस्कार वितरण के संबंध में पुलिस उप महानिरीक्षक का निर्णय अंतिम रूप से मान्य होगा।

रोजगार मेला 5 सितंबर को मऊगंज में

रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियों द्वारा किया जाएगा युवाओं का चयन

रीवा। शासकीय केदारनाथ स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय मऊगंज में 5 सितंबर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया गया है। रोजगार मेला मध्यप्रदेश संकल्प योजना के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 6 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 19 से 48 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। आयु सीमा विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग होगी। वेतन एवं भत्ते 6 हजार रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में ग्रेट गेलियन वेन्चर्स लि. (आईसेक्ट) रीवा, एमआरएफ टायर्स भरूच गुजरात, प्रगतिशील बायोटेक रीवा, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा, एचडीएफसी लाईफ इश्योरेन्स लि. रीवा एवं भारतीय जीवन बीमा निगम रीवा में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

ग्राम पंचायत अतरैला 11 के सरपंच पद के निर्वाचन प्रक्रिया स्थगित

रीवा। जिले के ग्राम पंचायत अतरैला 11 के उपनिर्वाचन की प्रक्रिया स्थगित कर दी गयी है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा पारित स्थगन आदेश के अनुक्रम में ग्राम पंचायत अतरैला 11 के सरपंच पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया स्थगित कर दी है।

वाल-वाल खेल स्पर्धा में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ट्राफी जीतने वाले खिलाड़ियों ने उप मुख्यमंत्री से की भेंट

रीवा। खेल स्पर्धा वाल-वाल में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ट्राफी जीतने वाले खिलाड़ियों ने उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से राजनिवास सर्किट हाउस में भेंट की तथा उन्हें विजेता ट्राफी सौंपी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हड़बड़ो जिला सीधी के खिलाड़ियों ने नेपाल में आयोजित वाल-वाल अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ट्राफी जीती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विजेता खिलाड़ियों समीक्षा सिंह, मीनाक्षी सिंह, मधु सिंह, अंश सिंह एवं ओम सिंह को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा उनका मुंह मीठा कराया। इन खिलाड़ियों ने सिंगल एवं डबल स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस दौरान अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, समाजसेवी विमलेश मिश्रा, टीम मैनेजर आशुतोष सिंह एवं कोच दिवाकर सिंह भी उपस्थित रहे।

रीवा विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ का प्रशिक्षण आज

रीवा। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। इसमें प्रत्येक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे। इस संबंध में रीवा विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ को 31 अगस्त को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण शाम 4 बजे से शासकीय शिक्षा महाविद्यालय रीवा में आरंभ होगा। एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने सभी बीएलओ को प्रशिक्षण में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

उप मुख्यमंत्री के प्रति शासकीय पॉलिटेकनिक महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने कृतज्ञता व्यक्त की

रीवा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से शासकीय पॉलिटेकनिक महाविद्यालय रीवा की प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने सौजन्य भेंट कर उनके प्रति महाविद्यालय में दो नवीन संकाय खोले जाने के लिये कृतज्ञता व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि जिले में औद्योगिक विकास एवं युवाओं के रोजगार अवसरों को बढ़ावा देने के लिए उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल के विशेष प्रयासों के फलस्वरूप, शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, रीवा में दो नए संकाय, सिविल एवं मैकेनिकल प्रारंभ करने की अनुमति गत दिनों मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदान की गयी थी। सिविल और मैकेनिकल संकाय में विभागाध्यक्ष एवं व्याख्याता के लिए कुल 12 पद मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृत किए गये हैं। साथ ही, शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, रीवा में फॉयर टेक्नालॉजी एण्ड सेफ्टी ब्रांच को वर्तमान पद स्वीकृति सहित यथावत रखा जाएगा। योजना के लिए अपेक्षित आवर्ती-अनावर्ती व्यय के लिए रूपये 5 करोड़ 92 लाख रुपये के वित्तीय प्रावधान की स्वीकृति भी उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से प्रदान की गई है। स्वीकृत नवीन संकायों को पोर्टल में शामिल कर दिया गया है तथा छात्रों का प्रवेश भी हो गया है।

उप-मुख्यमंत्री के प्रयासों से रीवा जिले में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों में सिविल एवं मैकेनिकल के छात्रों की मांग के दृष्टिगत स्थानीय स्तर पर ही कुशल मैनपॉवर की पूर्ति के लिए रीवा पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में नये संकाय प्रारंभ किए गये हैं। इन नए संकायों के प्रारंभ होने से इस अंचल के विद्यार्थियों को तकनीकी रोजगारमूलक शिक्षा का लाभ प्राप्त होगा और वे औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर प्राप्त कर सकेंगे। स्थानीय सर्किट हाउस राजनिवास में इस दौरान अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, विमलेश मिश्रा, प्राचार्य निशा पाण्डेय सहित प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

कमिश्नर, डीआईजी और कलेक्टर ने अस्पताल में सुरक्षा प्रबंधों का लिया जायजा

रीवा। संजय गांधी हास्पिटल, सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल तथा मेडिकल कालेज में डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा प्रबंधों की लगातार निगरानी की जा रही है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल तथा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने संजय गांधी हास्पिटल का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। कमिश्नर ने कहा कि अस्पताल परिसर में पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मी तैनात करें। अनाधिकृत व्यक्तियों को अस्पताल में प्रवेश न दें। मरीजों के साथ एक या दो परिजनों को ही रूकने की अनुमति दें। आयुक्त नगर निगम अस्पताल परिसर में प्रकाश की उचित व्यवस्था कराएं। सीसीटीवी से निगरानी के लिए पर्याप्त संख्या में कैमरे लगाकर बड़े मॉनीटर के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था करें। अधिकारियों ने ओपीडी, आकस्मिक चिकित्सा कक्ष, सीसीटीवी कक्ष तथा अन्य स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, मेडिकल कालेज के डीन डॉ सुनील अग्रवाल, अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा तथा अन्य अधिकारी उनके साथ रहे।

उप निर्वाचन के लिए नियुक्त प्रेक्षक रीवा पहुंचे

रीवा। पंचायतों तथा नगरीय निकायों के उप निर्वाचन 2024 के लिए रीवा जिले हेतु प्रेक्षक की नियुक्ति कर दी गई है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री अरूण पाण्डेय प्रेक्षक नियुक्त किए गए हैं। श्री पाण्डेय रीवा राजनिवास सर्किट हाउस में प्रातः 11 बजे से अपरान्ह एक बजे तक उपलब्ध रहेंगे। इस अवधि में उनसे उप निर्वाचन से संबंधित कार्यों/शिकायतों के लिए संपर्क किया जा सकता है।

ईव्हीएम की एफएलसी 31 अगस्त तथा एक सितम्बर को

रीवा। नगरीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में मतदान के लिए ईव्हीएम का उपयोग किया जाएगा। मतदान के लिए तैयार की जा रही ईव्हीएम की एफएलसी 31 अगस्त को सुबह 10.30 बजे से शासकीय पॉलिटेक्निक कालेज रीवा के कमरा क्रमांक जी-12 में आरंभ होगी। एफएलसी एक सितम्बर को शाम 6 बजे तक जारी रहेगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयश गोखले ने सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष जवा तथा त्योंथर जनपद पंचायत से एफएलसी के समय उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

नजूल निर्वर्तन समिति ने रेलवे को 142 हेक्टेयर जमीन देने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

औद्योगिक विकास के लिए जिले में भूमि बैंक बनाएं : कमिश्नर

रीवा

कमिश्नर सभागार में संभागीय नजूल निर्वर्तन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में तीन विभागों के लिए भूमि के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। समिति ने ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन में सिंगरौली जिले में रेलवे को दी गई जमीन के बदले वन विभाग को 142.57 हेक्टेयर जमीन देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। औद्योगिक विकास के लिए तीन गांवों में जमीन आवंटित करने के प्रस्तावों तथा ग्राम भलुहा में कन्या शिक्षा परिसर निर्माण के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि औद्योगिक विकास के लिए जिले में भूमि बैंक बनाएं। उपयुक्त स्थलों पर जमीनों का चिन्हांकन करके उन्हें औद्योगिक विकास के लिए निर्धारित कर दें। नवम्बर माह में रीजनल इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन रीवा में होगा। इसमें प्राप्त औद्योगिक निवेश के प्रस्तावों के लिए भी जमीनों की आवश्यकता होगी।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि संभागीय समिति में नजूल निर्वर्तन के प्रस्ताव पूरी तरह परीक्षण करने के बाद प्रस्तुत करें। प्रस्ताव में संबंधित विभागों के अनापत्ति प्रमाण पत्र तथा जमीन का नक्शे सहित पूरा विवरण संलग्न करें। प्रत्येक प्रकरण के साथ चेकलिस्ट संलग्न करें। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि त्योंथर तहसील के उत्तरप्रदेश की सीमा से जुड़े गांवों में उद्योगपतियों द्वारा विभिन्न उद्योगों की स्थापना में रूचि दिखाई गई है। इनके लिए आवश्यक भूमि बैंक बनाया जा रहा है। बैठक में अपर कमिश्नर अरूण परमार, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, जिला पंजीयक श्रीमती संध्या सिंह तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों को पूरी सुरक्षा दी जाएगी : कमिश्नर

रीवा। मेडिकल कालेज के सभागार में आयोजित बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों को सुरक्षा देना हमारी प्राथमिकता है। अस्पतालों में सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और दुर्घटना से बचाव के उचित प्रबंध करें। उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करें। डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों को पूरी सुरक्षा दी जाएगी। मेडिकल कालेज के डीन और अस्पताल के अधीक्षक विशाखा गाइडलाइन का पालन करते हुए महिला डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा के लिए समुचित व्यवस्थाएं करें। डॉक्टर जब अपने आपको सुरक्षित महसूस करेंगे तभी रोगियों का अच्छा उपचार कर सकेंगे।

कमिश्नर ने कहा कि संजय गांधी हास्पिटल में 184 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। इनमें से एक दल पूरे परिसर में

रात्रिकालीन भ्रमण कर सुरक्षा करे। अस्पताल में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश न करने दें। रोगियों से परिजनों की भेंट के लिए दोपहर बाद तीन बजे से शाम 5 बजे का समय निर्धारित है। इसी अवधि में परिजनों को रोगियों से मिलने की अनुमति दें। गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति के पास एक अटेंडेंट रह सकता है। अस्पताल में तैनात सुरक्षा कर्मियों तथा अन्य कार्यों में लगे व्यक्तियों को डीन अथवा अधीक्षक प्रवेश पत्र जारी करें। रोगियों से मिलने वालों को भी प्रवेश पत्र जारी कराने की व्यवस्था करें। ओपीडी में उपचार पर्ची बनवाने के लिए कारगर व्यवस्था बनाएं जिससे रोगी और उसके परिजन को कोई परेशानी न हो। इमरजेंसी में अस्पताल पहुंचने वालों को तत्काल उपचार सहायता दें। सभी सीनियर डॉक्टर ओपीडी और वार्डों में नियमित रूप से रोगियों का उपचार करें। बैठक में डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि सुरक्षा में तैनात कर्मचारियों को पुलिस विभाग निःशुल्क प्रशिक्षण देगा। निर्धारित सुरक्षा मानकों का कठोरता से पालन कराएं। अस्पताल के सभी वार्डों और परिसर में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाएं। इनकी मॉनीटरिंग के लिए कम से कम पाँच प्रशिक्षित कर्मचारी 24 घंटे तैनात रखें। कैमरे में किसी भी तरह की असामान्य घटना दिखाई देने पर तत्काल अधीक्षक और प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराएं। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि डीन रात्रिकालीन ड्यूटी में आने वाले डॉक्टरों और नर्सों के लिए वाहन की व्यवस्था करें। अस्पताल में ही रात में भी चाय, नाश्ते आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। डॉक्टर और नर्स मरीजों तथा उनके परिजनों से अच्छा व्यवहार करें। अस्पताल में पुलिस चौकी में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने का प्रस्ताव शासन को भेजें। सभी वार्डों में डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों के लिए साफ-सुथरे टायलेट की व्यवस्था करें। बैठक में मेडिकल कालेज के डीन डॉ सुनील अग्रवाल ने संजय गांधी हास्पिटल, सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल तथा मेडिकल कालेज में किए गए सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी दी। बैठक में संजय गांधी हास्पिटल परिसर में हाईमास्क लाइट लगाने, अस्पताल से नर्सिंग हास्टल तक के मार्ग पर लाइट लगाने, टायलेट्स में साफ-सफाई और प्रकाश की उचित व्यवस्था, फायर सेफ्टी, डॉक्टर्स कालोनी से कमसरियत मोहल्ला के गेट को बंद कराने तथा अस्पताल में हेल्पलाइन नम्बर एवं हेल्पडेस्क स्थापित करने का सुझाव दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कमिश्नर अरूण परमार, अधीक्षक संजय गांधी हास्पिटल डॉ राहुल मिश्रा, अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल डॉ अक्षय श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष मेडिसिन डॉ मनोज इंदुलकर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833